October 2017 - March 2018 Vol. 11 (2) अक्तूबर 2017 - मार्च 2018 अंक 11 (2)

From Director's Desk....

This half yearly period had been significant for the Institute through various research outcomes, inter-institutional HRD programmes, IRRI-CIWA collaborative activities, celebration of important days in addition to the regular research and outreach activities. Under the project "Exploratory study on nutritional status of Nabarangpur district of Odisha", a DBMS using CsPro 7.0 software has been developed for data entry and data management of nutritional status of farm women. About 138 technologies suitable for farm women were collected, screened and categorized under the project "Engendering Agricultural Research and Extension through Gender Sensitive Technology Hub". Dynamic database related to gender work participation in agriculture during 2001 & 2011 has been generated. Several capacity building programmes and orientation trainings for 500 selected SHGs with the collaboration of Orissa University of Agriculture & Technology have been accomplished under the project "Provision of Gender Friendly Farm Tools in Watershed Areas". Under the project "Gender inclusive homestead aquaculture for enhancing household fish consumption and income", SWOT analysis was carried out and training on the scientific stocking procedure of fingerlings was imparted. A model of intercropping pineapple in double row beds in mango orchard have been demonstrated in Mayurbhanj district of Odisha under the project "Optimizing technological interventions with gender perspective in small mango orchards". Exotic fruit crops like apple ber and dragon fruit have also been introduced and are under evaluation at the Institute's experimental field. The 1st International Extension Congress was successfully accomplished in collaboration with Orissa Society of Extension Education, ICAR-NRRI, Cuttack and OUAT, Bhubaneswar. Dr. Trilochan Mohapatra, Hon'ble

निदेशक की कलम से...

आधे वर्ष की यह अवधि संस्थान की नियमित अनुसंधान एवं आउटरीच गतिविधियों के अलावा विभिन्न अनुसंधान परिणामों, अंतरसंस्थागत मानव संसाधन विकास संबंधी कार्यक्रमों, आईआरआरआई-सीआईडब्ल्यूए सहयोगात्मक गतिविधियों और महत्वपूर्ण दिवसों के आयोजन के कारण उल्लेखनीय रही है। 'ओडिशा के नबरंगपुर जिले के पोषणिक स्तर पर खोजपूर्ण अध्ययन' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत CsPro 7.0 सॉफ्टवेयर का उपयोग करके खेतिहर महिलाओं के पोषणिक स्तर पर डीबीएमएस नामक आंकड़ा प्रविष्टि तथा आंकड़ा प्रबंध की प्रणाली विकसित की गई है। 'लिंग संवेदी प्रौद्योगिकी हब के माध्यम से कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के लैंगीकरण' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत खेतिहर महिलाओं के लिए उपयुक्त लगभग 138 प्रौद्योगिकियां एकत्र की गई, उनकी छंटाई की गई और उन्हें श्रेणीकृत किया गया। वर्ष 2001 और 2011 के दौरान लिंग कार्य भागीदारी से संबंधित गतिज डेटाबेस सृजित किया गया है। उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से 'जलसंभर क्षेत्रों में लिंग की दृष्टि से अनुकूल फार्म औजारों का प्रावधान' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत 500 चुने हुए स्वयं सहायता समूहों के लिए क्षमता निर्माण के अनेक कार्यक्रम तथा अभिमुखन प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं। 'मछलियों की घरेलू खपत तथा आय को बढ़ाने के लिए 'लिंग दृष्टिकोण को समाहित करते हुए घर के आस-पास जलजंतुपालन' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत 'स्वॉट' विश्लेषण किया गया तथा मत्स्य शिशुओं को वैज्ञानिक ढंग से स्टॉक करने की क्रियाविधि करने पर प्रशिक्षण दिया गया। 'आम के छोटे बागों में लिंग के संदर्भ में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों को उपयुक्ततम बनाने' परियोजना के अंतर्गत ओडिशा के मयूरभंज जिले में आम के बाग में दोहरी कतार वाली क्यारियों में अनन्नास की रोपाई का एक मॉडल विकसित किया गया है। संस्थान के प्रयोगात्मक खेत में एप्पल बेर तथा ड्रैगन फल जैसी विदेशी फल-फसलों की बागवानी भी शुरू की गई है। उड़ीसा सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन; भा.कृ.अ.प. -एनआरआरआई, कटक; तथा ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के सहयोग से प्रथम अंतराष्ट्रीय विस्तार कांग्रेस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। डॉ.

Secretary, DARE and DG, ICAR graced the occasion as Chief Guest. Dr. A. K. Singh, President of the Congress and DDG (Agril. Extn.), ICAR, New Delhi, Dr. J. K. Jena, DDG (Fisheries and AH), ICAR, New Delhi, Prof. S. Pasupalak, Hon'ble Vice Chancellor, OUAT, Bhubaneswar and Dr. Saurabh Garg, IAS, Principal Secretary (Agriculture), Govt. of Odisha were the Guests of Honour. The Institute had also organized the Live Webcast of Hon'ble Prime Minister's Address in Krishi Unnati Mela 2018 in which a Farmers-Scientist Interface was arranged which was attended by 800 farmers and farm women. The programme was graced by Hon'ble Mayor, BMC, Shri A. N. Jena as the Chief Guest. The Institute participated and also won several prizes in ICAR Zonal Sports (Eastern Zone) Tournament. Several collaborative training programmes with IRRI, Phillipines, such as Leadership and Entrepreneurship Program for Women in Agriculture have been accomplished. A two days Workshop on Gender Responsive Budgeting in association with National Institute of Financial Management (NIFM) and UN-Women and a Model Training Course on "Enabling Environment and Rural Infrastructure for Improving Women's Seed Access" had been organized. The Institute promoted Green Energy by signing a power purchase agreement with RMS Green Affiliates LLP to upscale and mainstream the use of new and renewable energy sources in furtherance of the national aim of energy security and energy independence. Foundation Day was celebrated in which a technology demonstration mela was organized to exhibit latest women friendly agricultural technologies. The event was graced by Hon'ble DDG (Education), ICAR, New Delhi, Dr. Narendra Singh Rathore as the Chief Guest. Mahila Kisan Divas, World Food Day, Agricultural Education Day, National Science Day, Vigilance Awareness Week were other important days observed. As a part of celebration of International Women's Day, a workshop on prevention of sexual harassment at workplace was organized which was attended by scientific and technical staff of ICAR Institutes in Bhubaneswar and Cuttack. Under extension activities, several Farmers-Scientist interfaces, on-campus training, capacity building programmes and demonstration of agricultural technologies at farmers field have also been undertaken.

त्रिलोचन महापात्र, माननीय सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भा.कृ.अ.प. ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर समारोह की शोभा बढ़ाई। कांग्रेस के अध्यक्ष तथा भा.कृ.अ.प. नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार); माननीय कुलपति, उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; तथा डॉ. सौरभ गर्ग, आईएएस, प्रधान सचिव (कृषि), ओडिशा सरकार इस अवसर पर सम्मानीय अतिथि थे। संस्थान द्वारा कृषि उन्नत मेला 2018 में माननीय प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सजीव रूप से प्रसारित करने का कार्य भी किया गया। इसके अंतर्गत किसानों -वैज्ञानिकों के परस्पर संवाद की भी व्यवस्था की गई जिसमें 800 किसानों तथा खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर माननीय महापौर, बीएमसी, श्री ए.एन.जेना ने भी इसकी शोभा बढ़ाई। संस्थान ने भा.कृ.अ.प. क्षेत्रीय खेल-कूद (पूर्वी अंचल) टूर्नामेंट में भाग लिया तथा अनेक पुरस्कार भी जीते। आईआरआरआई, फिलीपींस के साथ अनेक सहयोगात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे कृषिरत महिलाओं के लिए नेतृत्व और उद्यमशीलता के विकास जैसे कार्य आयोजित किए गए। राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध संस्थान (एनआईएफएम) के सहयोग से लिंग अनुक्रियाशील बजटीकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई तथा 'महिलाओं की बीज तक पहुंच को सुधारने के लिए सक्षम पर्यावरण एवं ग्रामीण बुनियादी ढांचे' पर एक आदर्श प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित किया गया। ऊर्जा सुरक्षा तथा ऊर्जा में आत्म-निर्भरता के राष्ट्रीय उद्देश्य को आगे बढ़ाने में ऊर्जा के नए एवं पुनर्नव्य स्रोतों को उन्नत बनाने व उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए आरएमएस ग्रीन एफिलिएट्स एलएलपी के साथ बिजली खरीद के एक समझौते पर हस्ताक्षर करके संस्थान ने हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा दिया है। संस्थान का स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेले का आयोजन किया गया ताकि महिलाओं के लिए अनुकूल नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जा सके। इस अवसर पर माननीय उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली के डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। महिला किसान दिवस, विश्व खाद्य दिवस, कृषि शिक्षा दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह तथा अन्य महत्वपूर्ण दिवसों का भी आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के एक अंग के रूप में कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाव पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें भुवनेश्वर और कटक स्थित भा.कृ.अ.प. के संस्थानों के वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ ने भाग लिया। विस्तार गतिविधियों के अंतर्गत किसानों -वैज्ञानिकों के बीच अनेक परिचर्चा वैठकों, परिसर प्रशिक्षणों, क्षमता निर्माण संबंधी कार्यक्रमों और किसानों के खेतों में कृषि प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(S.K. Srivastava)
Director

(एस.के. श्रीवास्तव)
निदेशक

RESEARCH HIGHLIGHTS

Optimizing Technological Interventions with Gender Perspective in Small Scale Mango Orchards

(Ankita Sahu, S. K. Srivastava, J. Charles Jeeva and C. S. Mhatre)

Demonstration on intercropping of pineapple and Cucurbitaceous vegetables in inter row spaces of mango orchard in a participatory action mode

Mango being a profitable fruit crop is quite popular among the growers. However, certain factors such as long juvenile period results in poor return during the initial years of establishment. Similar kind of problem was faced by growers of Harekrusnapur village of Mayurbhanj district who have planted the trees at a wider spacing of 10 m. As the plantation was in juvenile stage, the net profit from the orchard at the end of year was negative. The farmers did not have adequate knowledge about intercropping in orchards as an additional source of income. To address their issues, an attempt was initiated in utilizing the interspaces within the mango trees by planting pineapple and cucurbits like watermelon, pumpkin and bottle gourd in a participatory action mode during pre-kharif season.

Frontline Demonstration of planting pineapple cv. Queen in double row beds have been conducted in which farm women were imparted hands on skill in planting pineapple with polythene mulch. Weed infestation is a serious problem in pineapple especially during rainy season and manual weeding accounts to 40 per cent of the total production cost. Therefore technological intervention of using polythene mulching was opted as the best way to manage weeds and to maximize yield. Pineapple is a very hardy, nutritious and remunerative fruit crop. The plant grows well with less care and bears fruit within 12-14 months of planting. Each plant on an average produces 5 nos. of slips and suckers which can be sold as a good quality planting material. Intercropping with cucurbits like watermelon, pumpkin and bottle gourd was also demonstrated in the interspaces of the mango orchard. Organic management practices by use of vermicompost was popularized among the women farmers. The main objective of intercropping in the orchard was to maximize the production per unit area along with efficient utilization of time and all other resources.

अनुसंधान उपलब्धियाँ

परियोजना : आम के छोटे बागों में लिंग के परिदृश्य में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों को उपयुक्ततम बनाना

(अंकिता साहू, एस.के. श्रीवास्तव, जे.चार्ल्स जीवा और सी.एस.म्हात्रे)

आम के बाग में कतारों के बीच मौजूद स्थान पर भागेदारी कार्य विधि में अनन्नास तथा कुकरबिटेसी कुल की सब्जियों के अंतरफसलन का प्रदर्शन

लाभदायक फल-फसल होने के कारण आम बागवानों के बीच पर्याप्त लोकप्रिय है। तथापि, कुछ कारण जैसे फसल की शैशव अवस्था का लंबा होना ऐसे हैं जिनसे आम की बागवानी की शुरुआत के वर्षों में बहुत कम लाभ होता है। मयूरभंज जिले के हरेकृष्णपुर गांव के उन किसानों को इसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ा जिन्होंने आम के वृक्षों की रोपाई 10मी. के अंतराल की कतारों में की थी। चूंकि फसल अभी शैशव अवस्था में थी, अत: वर्ष के अंत में बाग से प्राप्त होने वाला निवल लाभ नकारात्मक था। बागवानों को आमदनी के अतिरिक्त स्रोत के रूप में बागों में अंतर फसल उगाने के बारे में पर्याप्त ज्ञान नहीं था। उनकी समस्याओं को हल करने के लिए आम के वृक्षों के बीच अनन्नास की रोपाई करके तथा खरीफ के पूर्व मौसम के दौरान भागेदारी की क्रियाविधि के अंतर्गत तरबूज, कद्दू और लौकी जैसी कुकरबिटेसी कुल की सब्जियां उगाने का प्रयास किया गया।

दोहरी कतार वाली क्यारियों में अनन्नास की क्वीन किस्म की रोपाई का अग्र पंक्ति प्रदर्शन किया गया जिसके अंतर्गत खेतिहर महिलाओं को पॉलिथीन की पलवार के साथ अनन्नास की रोपाई में कुशलता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। खरपतवारों का प्रकोप, विशेष रुप से बरसात के मौसम में अनन्नास की फसल की एक गंभीर समस्या है तथा मानवीय विधि से निराई-गुड़ाई करने पर कुल उत्पादन लागत का 40 प्रतिशत भाग तक लग जाता है। इसलिए खरपतवारों को प्रबंधित करने तथा उपज को सर्वोच्च बनाने की सर्वश्रेष्ठ विधि के रूप में पॉलिथीन के उपयोग की प्रौद्योगिकी विधि को अपनाया गया। अनन्नास प्रतिकूल मौसम को सह सकने वाली, पोषणिक गुणों से भरपूर और लाभदायक फल फसल है। खेती करने वालों को इसकी कम देखभाल करनी पड़ती है तथा रोपाई के 12-14 महीनों में ही फसल में फल लगने लगते हैं। प्रत्येक पौधे से औसतन ५ स्लिप और सकर उत्पन्न होते हैं जिसे श्रेष्ठ गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री के रूप में बेचा जा सकता है। आम के बाग में कतारों के बीच के खाली स्थान में तरबूज, कद्दू और लौकी जैसी कुकरबिटेसी कुल की सब्जियों के अंतर फसलन का भी प्रदर्शन किया गया। केंचुए की खाद का उपयोग करके जैविक प्रबंध की विधियों को भी खेतिहर महिलाओं के बीच लोकप्रिय पाया गया। बागों में अंतर फसलें उगाने का मुख्य उद्देश्य प्रति इकाई क्षेत्र में उत्पादन को सर्वोच्च बनाना तथा समय व अन्य सभी संसाधनों का कारगर उपयोग करना था।

Popularization of exotic fruit crops in mango orchards

Exotic fruit crops like apple ber and dragon fruit have been introduced and planted at Institute's experimental fields and are under evaluation for recommendation to farm women. Apple ber is a Thailand variety fruit. As it is very nutritious and resembles the green apple, it is often regarded as a common man's apple. The fruit is loaded with vitamins A and C, anti-oxidants along with calcium. The plant is hardy and grows successfully with little care. Unlike the common Ber, Apple ber is thorn less and precocious in bearing. Within a year of planting, the plant bears fruits and gives a substantial yield of 8 kg. The fruits are juicy and sweet in nature. It has an excellent flavour and are crisp in texture. In the initial year, average plant height recorded is 2.5 m and plant spread is 3 m. The average primary branches in a plant is around 13. The fruits have excellent shelf life with an average weight of 100 g under eastern coastal plains of Odisha. Its farming is currently trending and it has lots of advantages over traditional Ber due to huge market demand. The crop seems to be profitable, women friendly and can be grown successfully in inter row spaces of widely spaced mango orchards. Dragon fruit commonly known as Pitaya (*Hylocereus undatus*) is an exotic fruit crop indegenous to America. Its cultivation is gaining momentum in India owing to its huge market price. The plant is hardy and grows effectively with less resources. It is rich in Vitamin C, calcium and phosphorus. The crop is emerging as a potential new fruit crop. It can be effectively planted in the border areas of any plantation. Its performance is under evaluation in the institute experimental field.

आम के बागों में विदेशी फल-फसलों का लोकप्रियकरण

एप्पल बेर और ड्रैगन फ्रूट जैसी विदेशी फल फसलें भी संस्थान के प्रयोगात्मक खेतों में रोपी गई हैं तथा खेतिहर महिलाओं के लिए इनकी सिफारिश हेतु इनका मूल्यांकन किया जा रहा है। एप्पल बेर थाईलैंड के फल की एक किस्म है। यह बहुत पोषक है तथा सेब से मिलती-जुलती है और इसे अक्सर आम लोगों का सेब कहा जाता है। इसके फल विटामिन ए और सी, प्रतिऑक्सीकारकों तथा कैल्सियम से समृद्ध होते हैं। इसका पौधा कठोर परिस्थितियों को सह सकता है तथा बहुत थोड़ी देखभाल से सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। सामान्य बेर के विपरीत एप्पल बेर में कांटे नहीं होते हैं और झाड़ी में पर्याप्त फल लगते हैं। रोपाई के एक वर्ष में ही पौधे पर फल लगने लगते हैं और प्रति पौधे 8 कि.ग्रा फल उपज प्राप्त होती है। फल रसदार और मीठे होते हैं। इनकी गंध बहुत मीठी होती है तथा गूदा मुलायम व रसदार होता है। प्रारंभ के वर्ष में पौधे की ऊंचाई 2.5 मी. तथा पौधे का फैलाव 3 मी. रिकॉर्ड किए गए हैं। पौधे में औसतन 13 प्राथमिक शाखाएं होती हैं। ओडिशा के पूर्वी तटवर्ती मैदानों में औसतन 100 ग्रा. भार वाले फलों की निधानी आयु बहुत अच्छी होती है। किसानों तथा बागान मालिकों में इसकी खेती के प्रति रुचि बढ़ रही है तथा परंपरागत बेर की तुलना में इसकी बड़ी बाजार मांग के कारण इससे बहुत लाभ प्राप्त होते हैं। इसकी फल लाभदायक, महिलाओं के लिए अनुकूल प्रतीत होती है तथा इसे आम के बागों में चौड़े खाली स्थानों में आम के वृक्षों की कतारों के बीच सफलतापूर्वक उगाया जाता है। ड्रैगन फल समान्य रूप से पिटाया (हाइलोसेरियस अंडेटस) के नाम से जाना जाता है। यह अमेरिकी मूल की विदेशी फल-फसल है। इसकी खेती भारत में गति पकड़ रही है क्योंकि इसका बाजार में बहुत अच्छा मूल्य मिलता है। पौधा कठोर पर्यावरण को सह सकता है और कम संसाधनों में भी भली प्रकार उगाया जा सकता है। इसके फल विटामिन सी, कैल्सियम और फास्फोरस से भरपूर होते हैं। यह एक नई सक्षम फल फसल के रूप में उभर रही है। इसे किसी भी रोपण प्रणाली में मेढ़ों वाले क्षेत्र पर भी प्रभावी ढंग से रोपा जा सकता है। संस्थान के प्रयोगात्मक खेत में इसके निष्पादन का मूल्यांकन किया जा रहा है।

Gender Inclusive Homestead Aquaculture for Enhancing Household Fish Consumption and Income

(Tanuja, S., Ananta Sarkar, Gayatri Moharana and Chaitrali S. Mhatre)

A pilot survey was conducted in Kadua and Dubduba villages of Satyabadi block, Puri to understand the availability of pond resources, present practices of aquaculture, participation of women in aquaculture, fish consumption patterns, availability of small indigenous fishes etc. A focus group discussion with the owners of backyard ponds and women SHG group members was conducted at Dubduba village, Penthapada panchayat, Satyabadi block, Puri district. A SWOT analysis was also done based on the interfaces.

Twenty four farm families with homestead ponds have been selected from the villages of Kadua, Beherasahi, Dubuduba and Harisankarpur for participatory action research. The size of the homestead ponds ranges from 0.15 acre to 0.6 acre. Baseline survey of the selected farm families has been initiated with a semistructured questionnaire in odia language to assess the participation profile of men and women in different activities of aquaculture and post harvest processing, time use, income flow, access to resources and services, decision making, capability, gender needs in homestead aquaculture, production/productivity of homestead aquaculture, constraints involved, gender perception on species diversification etc. Participatory research started with stocking of the homeasted ponds with fingerlings of Indian Major Carps at the rate of 4000/acre. The farmwomen were given hands-on training on the scientific stocking procedure of fingerlings. The application of lime for maintaining the pond water quality was also demonstrated to the farmwomen. For continuous maintenance of homestead pond water quality, lime has been distributed to the farm families. Ground nut oil cake has been distrusted to the homestead pond owners for daily supplementary feeding of the stocked fishes. A reservoir pond of small indigenous freshwater fishes (*Amblypharyngodon mola, Puntius sophore, Etroplus sp* etc) is being maintained in dubuduba village for replenishment of small indigenous fishes in the homestead ponds.

परियोजना : मछली की घरेलू खपत और आय को बढ़ाने के लिए लिंग समाहित घर के आस-पास जलजंतुपालन

(तनुजा, एस., अनंत सरकार, गायत्री मोहराना और चैत्राली एस. म्हात्रे)

तालाब संसाधनों की उपलब्धता, जलजंतुपालन की वर्तमान विधियों, जलजंतुपालन में महिलाओं की भागीदारी, मछलियों के खपत के पैटर्न, छोटी देसी मछलियों की उपलब्धता आदि जैसे पहलुओं को समझने के लिए पुरी के सत्यवादी ब्लॉक के कदुआ और दुबदुबा गांवों में एक पायलट सर्वेक्षण किया गया। घर के आस-पास मौजूद तालाबों के स्वामियों और महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ दुबदुबा गांव, पैंथापाड़ा पंचायत, सत्यवादी ब्लॉक, पुरी जिले में एक सामूहिक चर्चा आयोजित की गई। परिचर्चाओं के आधार पर 'स्वॉट' विश्लेषण भी किया गया।

कदुआ, बेहरासाही, दुबदुबा और हरिशंकरपुर गांवों के घर के आस-पास के तालाबों के स्वामी 24 खेतिहर परिवारों को भागीदारीपूर्ण कार्य अनुसंधान के लिए चुना गया। इन तालाबों का आकार 0.15 एकड़ से 0.6 एकड़ के बीच भिन्न-भिन्न था। जलजंतुपालन की विभिन्न गतिविधियों तथा सस्योत्तर प्रसंस्करण, समय के उपयोग, आय प्रवाह, संसाधनों तथा सेवाओं तक पहुंच, निर्णय लेने, क्षमता, घर के आस पास जलजंतुपालन में लिंग से जुड़ी आवश्यकताएं, घर के आस-पास जलजंतुपालन की उत्पादकता /उत्पादन, इस प्रक्रिया में मौजूद बाधाएं, जातियों के विविधीकरण पर लिंग की अवधारणा आदि जैसे अन्य कार्यों में भाग लेने वाले महिलाओं और पुरुषों की क्षमता और समझ का पता लगाने के लिए उड़िया भाषा में एक प्रश्नावली के द्वारा चुने गए खेतिहर परिवारों का आधारभूत सर्वेक्षण किया गया। भागेदारीपूर्ण अनुसंधान की शुरुआत 4000 एकड़ की दर से भारतीय प्रमुख कार्प के मत्स्य शिशुओं की तालाबों में स्टॉकिंग करके शुरुआत की गई। खेतिहर महिलाओं को मत्स्य शिशुओं के वैज्ञानिक स्टॉकिंग की क्रियाविधि पर तात्कालिक प्रशिक्षण दिया गया। तालाब के जल की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए चूने का उपयोग किस प्रकार किया जाए, इसका प्रशिक्षण भी खेतिहर महिलाओं को दिया गया। तालाब के जल की गुणवत्ता को निरंतर बनाए रखने के लिए खेतिहर परिवारों को चूना भी बांटा गया। पाली गई मछलियों को दैनिक आहार की अतिरिक्त खुराक देने के लिए इन घरेलू तालाबों के स्वामियों को मूंगफली की खली भी बांटी गई। छोटी देसी मीठे जल की मछलियों (एम्बलीफेरिंगोडोन मोला, पुंटियम सोफोर, इट्रोप्लस जाति आदि) का जलाशय तालाब भी दुबदुबा गांव में अनुरक्षित किया जा रहा है ताकि घरेलू तालाबों में छोटी देसी मछलियों को भी पाला जा सके।

Exploratory Study on Nutritional Status of Nabarangpur district of Odisha

(S. K. Srivastava, G. Moharan and Ananta Sarkar)

A team of scientists and technical staff from the Institute headed by PI of the project, Dr. S. K. Srivastava made a visit to the zero district of Nabarangpur, Odisha for identification of villages for the project and a Farmers-Scientists Interface was organized. Three villages from Umerkote block were identified for data collection. Baseline information on health and dietary patterns of the farm families of the Semala village was also collected.

DBMS using CsPro 7.0 software has been developed for data entry and data management

Database management system (DBMS) using CsPro 7.0 software has been developed for data entry and data management

परियोजना : ओडिशा के नवरंगपुर जिले के पोषणिक स्तर पर खोजपूर्ण अध्ययन

(एस.के. श्रीवास्तव, जी, मोहराना, अनंत सरकार)

परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. एस.के श्रीवास्तव के नेतृत्व में संस्थान के वैज्ञानिकों और तकनीकी स्टाफ के एक दल ने परियोजना के लिए गांवों की पहचान के लिए ओडिशा के नवरंगपुर जिले का दौरा किया और इस दौरान किसानों वैज्ञानिकों के बीच परिचर्चा भी आयोजित की गई। उमेरकोट ब्लॉक के तीन गांवों की आंकड़े एकत्र करने के लिए पहचान की गई। सेमाला गांव के खेतिहर परिवारों के स्वास्थ्य तथा आहारीय पद्धतियों पर आधारभूत सूचना भी एकत्र की गई।

CsPro7.0 सॉफ्टवेयर का उपयोग करके आंकड़ा प्रविष्टि तथा आंकड़ा प्रबंध के लिए डेटाबेस प्रबंध प्रणाली (डीबीएमएस) विकसित की गई है।

Strengthening Gender Knowledge System in Agriculture

(Ananta Sarkar, J. Charles Jeeva, Jyoti Nayak, Sabita Mishra and Shaji, A.)

Under the project, state wise information collected from census were compiled and a dynamic database was prepared for generating data tables related to gender work participation in agriculture during 2001 & 2011.

परियोजना : कृषि में लिंग ज्ञान प्रणाली का सबलीकरण

(अनंत सरकार, जे.चार्ल्स जीवा, ज्योति नायक, सबिता मिश्रा, शाजी,ए.)

इस परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2001 और 2011 के दौरान कृषि में लिंग कार्यिकी भागीदारी से संबंधित आंकड़ा सारणियां तैयार करने के लिए गतिक डेटाबेस तैयार करते हुए जनगणना से राज्यवार सूचना एकत्र करके संकलित की गई।

Engendering Agricultural Research and Extension through Gender Sensitive Technology Hub

(Sabita Mishra, Ananta Sarkar, L.P. Sahoo and Gayatri Moharana)

About 138 technologies suitable for farm women were collected, screened and categorized from ICAR/SAUs and AICRP on Home Science centers. State wise and discipline wise categorization is depicted in Fig 1 and 2 respectively.

परियोजना : लिंग संवेदी प्रौद्योगिकी हब के माध्यम से कृषि अनुसंधान एवं विस्तार का लैंगीकरण

(सबिता मिश्रा, अनंत सरकार, एल.पी. साहू और गायत्री मोहराना)

गृह विज्ञान केन्द्रों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना व भा.कृ.अ.प. /राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से खेतिहर महिलाओं के लिए उपयुक्त लगभग 138 प्रौद्योगिकियां एकत्र की गई, उनकी छंटाई की गई व उनका श्रेणीकरण भी किया गया।

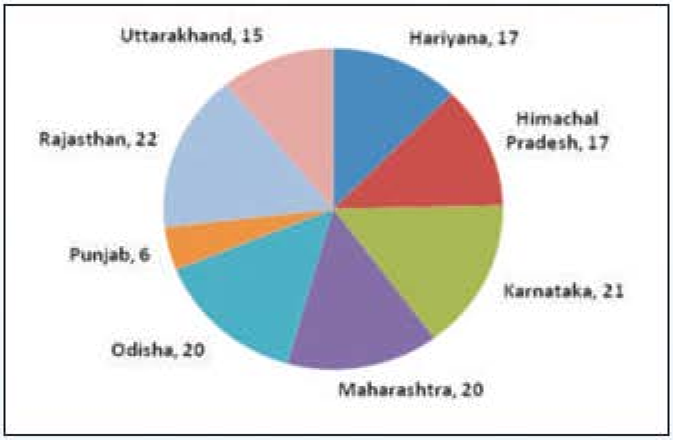

Fig 1 : State - wise Technologies (138)

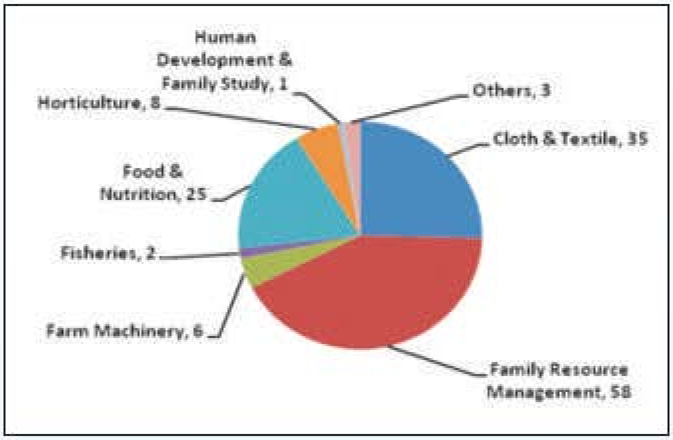

Fig 2 : Discipline Wise Technologies (138)

MAJOR EVENTS

First International Extension Congress-2018 on New Horizons of Extension: Challenges and Opportunities

The first International Extension Congress-2018 was organized by Orissa Society of Extension Education at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar from 1-3 February, 2018 with a Vision of "Incessantly evolving and developing Extension Education–the Art and Science for meeting Challenges and Harnessing Opportunities" and with a Mission of "Providing platform to evolve and develop the subject based on the objective-oriented research related to identified theme areas and interaction among the Extension Professionals". The organizing partners were: ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar, ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack, Orissa University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar and Bisra Agriculture University, Ranchi while ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi and Academy of Extension Sciences were Congress collaborators. The Inaugural programme was held on 2nd February 2018 in which Dr. Trilochan Mohapatra, Hon'ble Secretary, DARE and DG, ICAR graced the occasion as Chief Guest. Dr. Mohapatra highlighted the importance of Extension as the base of research for development in Agriculture. He also highlighted the importance of ICAR-CIWA as the only Institute working for the empowerment of women in agriculture, globally. Dr A. K. Singh, President of the Congress and DDG (Agril. Extn.), ICAR, New Delhi, Dr. J. K. Jena, DDG (Fisheries and AH), ICAR, New Delhi, Prof. S. Pasupalak, Hon'ble Vice Chancellor, OUAT, Bhubaneswar and Dr. Saurabh Garg, IAS, Principal

प्रमुख कार्यक्रम

विस्तार के नए आयाम : चुनौतियां एवं अवसर पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय विस्तार कांग्रेस-2018

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 'निरंतर विकासशील एवं गतिशील विस्तार शिक्षा चुनौतियों से निपटने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए कला और विज्ञान' के परिदृश्य मे उड़ीसा सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन द्वारा 1-3 फरवरी 2018 को प्रथम अंतरराष्ट्रीय विस्तार कांग्रेस-2018 का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य 'विस्तार व्यवसायियों के बीच पहचाने गए उद्देश्य के क्षेत्रों तथा पारस्परिक चर्चा से संबंधित विषयपरक अनुसंधान पर आधारित विषय का विकास करने के लिए मंच उपलब्ध कराना' था। इसके संयोजक साझेदार थे: भा.कृ.अ.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर; भा.कृ.अ.प. -राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक; उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, जबकि भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और कृषि विज्ञान अकादमी इस कार्यक्रम के सह-आयोजक थे। उद्घाटन कार्यक्रम 2 फरवरी 2018 को आयोजित किया गया। डॉ.त्रिलोचन महापात्र, माननीय सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भा.कृ.अ.प. ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने कृषि विकास के लिए अनुसंधान के आधार के रुप में विस्तार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भा.कृ.अ.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह कृषिरत महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विश्व का एकमात्र संस्थान है। डॉ. ए.के. सिंह, कांग्रेस के अध्यक्ष और महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अ.प. नई दिल्ली; डॉ. जे.के. जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यकी और पशुपालन), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली; प्रो. एस. पसुपालक, माननीय कुलपति, उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और डॉ. सौरभ गर्ग, आईएएस, प्रधान सचिव (कृषि), ओडिशा सरकार

Secretary (Agriculture), Govt. of Odisha were the Guests of Honour. The entire programme was organized into ten technical sessions in which emerging challenges and innovative approaches in extension, advancements and futuristic assessment of core areas of extension, envisioning extension in changing context of agriculture and society, professionalism and ethics in extension and several other themes were discussed through interactive presentations and panel discussions. The concluding technical session was based upon interface among all the stakeholders. The programme was attended by various Professionals including Scientists, Policy makers, Extension Personnel and Students from the country as well as abroad. The event ended with the Valedictory programme where in Dr. A.K. Srivastava, Hon'ble Chairman, ASRB, New Delhi graced the occasion as Chief Guest. Dr. Srivastava signified the importance of Extension in bringing Green Revolution in India and its role for development of livestock sector. Prof D.P. Ray, Former Vice Chancellor, OUAT, Bhubaneswar was the Guest of Honour. Dr. A.K. Singh, DDG (Agril. Extn.), ICAR, New Delhi had presided over the Inaugural and Valedictory Sessions while Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA offered vote of thanks during both the occasions. During the Congress, 20 exhibition stalls were arranged to display the emerging extension technologies of ICAR/SAUs.

Lighting of Lamp during the Inaugural function of IEC-2018 by Esteemed Guests

Address by Dr. Trilochan Mohapatra Secretary, DARE & DG, ICAR, New Delhi

Address by Dr. A. K. Singh President of the Congress and DDG, (Agril. Extn.), ICAR, New Delhi

Vote of thanks by Dr. S.K. Srivastava Director, ICAR-CIWA

Valedictory Address by Dr. A.K. Srivastava Hon'ble Chairman, ASRB, New Delhi

Address by Sri Saurabh Garg IAS, Principal Secretary (Agril), Govt. of Odisha

Address by Dr. J. K. Jena DDG, (Fisheries and AS), ICAR, New Delhi

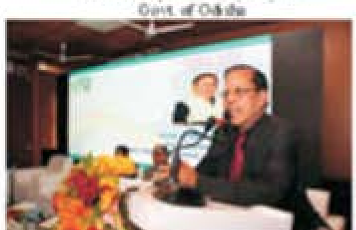

Address by Prof. S. Pasupalak Hon'ble Vice Chancellor, OUAT, Bhubaneswar

सम्मानीय अतिथि थे। पूरा कार्यक्रम दस तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया जिसमें विस्तार के क्षेत्र में उभरती हुई चुनौतियों और नवोन्मेषी दृष्टिकोणों, विस्तार के प्रमुख क्षेत्रों के भावी मूल्यांकन, कृषि एवं समाज के बदलते हुए परिदृश्य में विस्तार का अनुकूलन, विस्तार में व्यावसायिकता एवं नैतिकता तथा कुछ अन्य ऐसे ही महत्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चात्मक प्रस्तुतीकरणों तथा पैनल चर्चाओं के माध्यम से विचार किया गया। समापन तकनीकी सत्र सभी हितधारकों के बीच हुई पारस्परिक चर्चा पर आधारित था। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों सहित अनेक व्यवसायविदों, नीति-निर्माताओं, विस्तार कार्मिकों और छात्रों ने भाग लिया जो न केवल देश से बल्कि विदेशों से भी आए थे। कार्यक्रम समापन समारोह से समाप्त हुआ जिसमें डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, माननीय अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे। डॉ. श्रीवास्तव ने भारत में हरित क्रांति लाने और पशुधन के क्षेत्र में विकास के संदर्भ में विस्तार के महत्व और इसकी भूमिका का उल्लेख किया। प्रो.डी.पी. रे, पूर्व कुलपति, उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर सम्मानीय अतिथि थे। डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने उद्घाटन एवं समापन सत्रों की अध्यक्षता की जबकि एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने दोनों अवसरों पर धन्यवाद ज्ञापित किया। कांग्रेस के दौरान भा.कृ.अ.प./राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की उभरती हुई विस्तार प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए 20 प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाए गए।

ICAR-CIWA Marches towards Green Energy

A power purchase agreement was signed between ICAR-Central Institute for Women in Agriculture and RMS Green Affiliates LLP for "Design, Manufacture, Supply, Erection, Testing and Commissioning including Warranty, Operation & Maintenance of 150 kWp Grid Connected Roof-top Solar Photovoltaic Plants in RESCO Model", on 9th February, 2018. This initiative will help ICAR-CIWA to achieve the vision of Ministry of New and Renewable Energy, Government of India to upscale and mainstream the use of new and renewable energy sources in furtherance of the national aim of energy security and energy independence.

Live Webcast of Hon'ble Prime Minister's Address in Krishi Unnati Mela 2018 during Farmers-Scientist Interface at ICAR-CIWA, Bhubaneswar

ICAR-CIWA organized a Farmers-Scientist Interface on 17 March, 2018 to facilitate the live webcast of Hon'ble Prime Minister's address in Krishi Unnati Mela 2018. In his speech, he underlined the emerging role of India in sustaining global agriculture. He stressed upon technological advancement in agriculture for enhanced productivity, economic prosperity with the mission of Doubling Farmer's income by 2022. The programme was graced by Hon'ble Mayor, BMC, Shri A. N. Jena as the Chief Guest. He highlighted the contribution of agriculture to Indian economy, it's significance in livelihood enhancement of rural farmers as well as urban slum families and also spelt out the conservation of rain water for irrigation purpose. Shri Harekrishna Nayak, Corporator, Ward No. 22, Bhubaneswar was the Guest of Honour. At the outset

भा.कृ.अ.प. -केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान का हरित ऊर्जा की ओर प्रस्थान

'रेस्को मॉडल में 150 कि.वा. शक्ति ग्रिड से जुड़े छत पर लगाने के लिए उपयुक्त सौर फोटोवोल्टेइक संयंत्रों के वारंटी, परिचालन और रखरखाव सहित इसके डिजाइन, विनिर्माण, आपूर्ति, इसे लगाने, परीक्षण करने व स्थापित करने' के लिए भा.कृ.अ.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान तथा आरएमएस ग्रीन एफिलिएट्स एलएलपी के बीच बिजली की खरीद के एक समझौते पर दिनांक 9 फरवरी 2018 को हस्ताक्षर हुए। इस पहल से भा.कृ.अ.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान को ऊर्जा सुरक्षा तथा ऊर्जा में स्वतंत्रता के राष्ट्रीय उद्देश्य को आगे बढ़ाने में ऊर्जा के नए व पुर्नव्य स्रोतों के उपयोग को अनुकूल बनाने व मुख्य धारा में लाने के भारत सरकार के नवीन एवं पुनर्नव्य ऊर्जा मंत्रालय के स्वप्न को साकार करने में सहायता मिलेगी।

भा.कृ.अ.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा के दौरान कृषि उन्नति मेला -2018 में माननीय प्रधानमंत्री के सम्बोधन का सजीव प्रसारण

उन्नति कृषि मेला 2018 में माननीय प्रधानमंत्री के सम्बोधन के सजीव प्रसारण को दर्शाने के लिए भा.कृ.अ.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में 17 मार्च 2018 को कृषक - वैज्ञानिक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। अपने भाषण में माननीय प्रधानमंत्री ने वैश्विक कृषि को टिकाऊ बनाने में भारत की उभरती हुई भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी दुगुनी करने के उद्देश्य से उत्पादकता एवं आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने के लिए कृषि में प्रौद्योगिकी प्रगति पर विशेष बल दिया। इस कार्यक्रम में माननीय महापौर, बीएमसी श्री ए.एन. जेना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान, ग्रामीण किसानों की आजीविका की वृद्धि में इसके महत्व तथा शहरी झुग्गी-झोपड़ी परिवारों की आजीविका के सुधार में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सिंचाई के उद्देश्य से वर्षा जल के संरक्षण पर

of the programme, the Director ICAR-CIWA, Dr. S. K. Srivastava welcomed all the delegates, farmer participants and emphasized the contribution of the Institute in addressing gender issues in agriculture for ensuring livelihood and nutritional securities of rural women. Around 800 farmers and farmwomen from Puri, Khordha, Nayagarh and Cuttack districts of Odisha covering 23 villages such as Baliasahi, Balarampur, Bandhahata, Nuagada, Katakiassahi, Baunshaput, Hariharpur, Godipali, Sakhigopal, Kadua, Chaudabalia, Harishankarpur, Kanjia, Bhatapur, Chanagorada, Beherasahi, Rautasahi, Gadachandpur, Uchhupur, Nuasahi, Khadikuda, Chakrakuda and Parabatipur participated in the event. They were exposed to several latest farm technologies through demonstrations and exhibition. A Farmers-Scientists Interface was also organized in which various farming related queries raised by the farmers and farm women were answered by a panel of experts from ICAR-CIWA. The event also provided a platform for successful women entrepreneurs to share their experiences of success in farming. Innovative women farmers in the field of pulse production, kitchen gardening, poultry rearing, mushroom cultivation and dairy farming were honoured with certificates and award kits. The event was successfully co-ordinated by Dr. Anil Kumar as the Nodal Officer for the programme.

Workshop on Gender Responsive Budgeting

A two days Workshop on Gender Responsive Budgeting was organized by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar in association with National Institute of Financial Management (NIFM), Ministry of Finance, Faridabad and UN-Women at ICAR-CIWA Bhubaneswar during 21-22 March, 2018.

Under the theme on 'Micro Approach to Gender Responsive Budgeting', topics viz., tools and techniques of gender budgeting (Agriculture), need assessment, planning and prioritization were dealt. Under the theme on 'Macro Approach to Gender Responsive Budgeting',

बल दिया। श्री ह्रेकृष्ण नायक, कारपोरेटर, वार्ड सं. 22, भुवनेश्वर मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम के आरंभ में निदेशक, भा.कृ.अ.प- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने प्रतिनिधियों, कृषक प्रतिभागियों व अन्य सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा कृषि में लिंग संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए संस्थान के योगदान पर बल दिया जिसके कारण ग्रामीण महिलाओं की आजीविका एवं पोषणिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। ओडिशा के पुरी, खोर्धा, नयागढ़ और कटक जिलों के 23 गांवों नामतः बलियासाही, बलरामपुर, बंधाहटा, नौगाडा, कतकियासाही, भौंसपुट, हरिहरपुर, गोदीपाली, साखीगोपाल, कदुआ, चौदाबलिया, हरिशंकरपुर, कांजिया, भातापुर, चंगोरादा, बेहरासाही, रौतासाही, गदाचंदपुर, उच्छुपुर, नुआसाही, खादीकुदा, चक्राकुदा और पार्बतीपुर से आए लगभग 800 किसानों और खेतिहर महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्हें प्रदर्शनों तथा प्रदर्शनी के माध्यम से कई नवीनतम फार्म प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया गया। एक कृषक -वैज्ञानिक परिचर्चा भी आयोजित की गई जिसमें किसानों तथा खेतिहर महिलाओं द्वारा खेती से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे गए तथा भा.कृ.अ.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के विशेषज्ञों के पैनल ने संतोषजनक उत्तर दिए। दालों के उत्पादन, गृह वाटिका लगाने, कुक्कुट पालन, खुम्बी की खेती और डेरी पालन के क्षेत्र में नवोन्मेषी खेतिहर महिलाओं को प्रमाण-पत्रों से सम्मानित किया गया तथा उन्हें संबंधित किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी के रूप में डॉ. अनिल कुमार द्वारा सह-समन्वयक के रूप में किया गया।

लिंग अनुक्रियाशील बजटीकरण पर कार्यशाला

भा.कृ.अ.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए), भुवनेश्वर द्वारा राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध संस्थान, वित्त मंत्रालय, फरीदाबाद तथा भा.कृ.अ.प. -केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में संयुक्त राष्ट्र-महिलाएं के सहयोग से 21-22 मार्च 2018 को लिंग अनुक्रियाशील बजटीकरण पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

'लिंग अनुक्रियाशील बजटीकरण सूक्ष्म दृष्टिकोण' मुख्य विषय के अंतर्गत लिंग बजटीकरण (कृषि) की युक्तियां और तकनीकों, आवश्यकताओं के मूल्यांकन, नियोजन तथा प्राथमिकीकरण जैसे विषयों पर चर्चा हुई। 'लिंग अनुक्रियाशील बजटीकरण वृहद दृष्टिकोण' मुख्य विषय के अंतर्गत लक्ष्य जनसंख्या को

topics viz., finalization of target population, allocation of resources, beneficiary component, monitoring of expenditure and outcome budget were covered. Group exercises on some case studies of gender responsive budgeting of ICAR- CIWA were also carried out. All the Scientific, Technical and Administrative Staff of ICAR-CIWA participated in the workshop.

The programme was inaugurated by Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. Dr. Shikha Mathur Kumar and Dr. Reetu Sharma from NIFM, Ms. Seethalaxmi from UN-Women and Ms. Uppali Mohanty from Centre for Youth and Social Development participated in the workshop as Resource Persons. Dr. J. K. Sundaray, Director, ICAR-CIFA graced the valedictory programme as Chief Guest. The programme was coordinated by Dr. J. Charles Jeeva and Ms. Gayatri Moharana, Scientists, ICAR-CIWA.

अंतिम रूप देने, संसाधनों के आबंटन, लाभार्थी घटक, व्यय की निगरानी तथा परिणाम बजट जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। भा.कृ.अ.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के लिंग अनुक्रियाशील बजटीकरण के कुछ मामला अध्यनों पर सामूहिक अभ्यास भी किए गए। भा.कृ.अ.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के सभी बैज्ञानिक, तकनीकी व प्रशासनिक स्टाफ ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने किया। एनआईएफएम से डॉ. शिखा माथुर कुमार और डॉ. ऋतु शर्मा तथा संयुक्त राष्ट्र-महिला से सुश्री सीतालक्ष्मी और युवा एवं सामाजिक विकास केन्द्र से सुश्री उप्पली मोहंती ने इस कार्यशाला में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। डॉ.जे.के. सुंदराय, निदेशक, भा.कृ.अ.प.- सीफा ने मुख्य अतिथि के रूप में समापन समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. चार्ल्स जीवा और सुश्री गायत्री मोहराना, वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने किया।

CELEBRATION OF NATIONAL DAYS AND WEEKS

Celebration of Mahila Kisan Divas and World Food Day

Mahila Kisan Divas and World Food Day was celebrated at ICAR-CIWA on 16th October 2017. Honourable DDG (Education) ICAR, Dr. Narendra Singh Rathore attended the programme as Chief Guest while Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS) ICAR, Smt. Sujata R. Karthikeyan, IAS, Commissioner cum Director, Odisha Watershed Development Mission and Mission Shakti, Dr. S. N. Pasupalak, VC, OUAT and Dr. D. P. Ray, Former VC, OUAT were the Guests of Honour. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director of the Institute warmly welcomed the guests and other dignitaries. She justified the importance of this auspicious Day, and the role of ICAR-CIWA in addressing gender issues in agriculture and women empowerment. Smt. Karthikeyan elaborated the dual role of farmwomen, the drudgery faced by them and their significant potential in improving agricultural production. On the eve of Mahila Kisan Divas, quiz and debate competitions were organized in four villages under Mera Gaon Mera Gaurav programme and women winners were selected. The Chief Guest honoured the farmwomen with certificates and awards followed by release of publications. During his

राष्ट्रीय दिवसों व सप्ताह का आयोजन

महिला किसान दिवस और विश्व खाद्य दिबस का आयोजन

भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए में 16 अक्तूबर 2017 को महिला किसान दिवस तथा विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। माननीय उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प. डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया जबकि डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प.; श्रीमती सुजाता आर. कार्तिकेयर, आईएएस, आयुक्त एवं निदेशक, ओडिशा जलसंभर विकास मिशन और मिशन शक्ति; डॉ. एस.एन. पसुपालक, कुलपति, उडीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय; तथा डॉ.डी.पी. रे, पूर्व कुलपति, उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय इस अवसर पर सम्मानीय अतिथि थे। डॉ. जितेन्द्र किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए ने अतिथियों तथा अन्य उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया। उन्होंने इस पवित्र दिन का महत्व बताते हुए कृषि तथा महिला सशक्तिकरण में लिंग संबंधी मुद्दों से निपटने में भा.कृ.अ.प. सीआईडब्ल्यूए की भूमिका पर प्रकाश डाला। श्रीमती कार्तिकेयन ने खेतिहर महिलाओं की दोहरी भूमिका, उनके द्वारा किए जा रहे परिश्रम तथा कृषि उत्पादन को सुधारने में उनकी सक्षम भूमिका के बारे में

presidential address, he highlighted the significant role and contribution of women in farm & non-farm activities and raised their issues in agriculture. About 250 progressive farm women of Odisha, Directors, Heads and Scientists of ICAR Institutes & SAU and officials from different development organisations participated in the event. For dissemination of information on government schemes and programmes, a knowledge facilitation workshop was also organized where NABARD, Odisha Livelihood Mission, Department of Horticulture and IMAGE had participated as knowledge partners. In addition, several exhibition stalls were arranged by various agencies to display improved gender friendly farm technologies. The event was successfully organized with active involvement of all the scientists, administrative and technical staff members of ICAR-CIWA.

ICAR-CIWA observed Vigilance Awareness Week 2017

As per the decision of Central Vigilance Commission and directives of Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, ICAR-CIWA Bhubaneswar observed Vigilance Awareness Week from 30th October, 2017 to 4th November, 2017. The theme of the Vigilance Awareness Week was My Vision-Corruption Free India. The programme began at CIWA Campus on 30 October, 2017 with oath taking by the Officials and Staff. Dr.(Mrs.) Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA explained the importance of the event and administered the pledge to all the staffs. Dr. S. K. Srivastava, Vigilance Officer, ICAR-CIWA briefed about the Online Integrity Pledge on CVC portal and requested to take the e-pledge on http://pledge.cvc.nic.in/

विस्तार से बताया। महिला किसान दिवस की संध्या पर मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत गोद लिए गए चार गांवों में प्रश्नोत्तरी तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा महिला विजेताओं को चुना गया। मुख्य अतिथि ने खेतिहर महिलाओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा इसके बाद प्रकाशन विमोचित किए गए। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने फार्म तथा फार्म से इतर गतिविधियों में महिलाओं की उल्लेखनीय भूमिका तथा योगदान पर प्रकाश डालते हुए कृषि से जुड़े उनके मुद्दों को भी उठाया। ओडिशा की लगभग 250 प्रगतशील खेतिहर महिलाओं, भा.कृ.अ.प. के संस्थानों व राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशकों, अध्यक्षों और वैज्ञानिकों तथा विभिन्न एजेंसियों द्वारा कई प्रदर्शनी स्टाल भी लगाए गए। यह कार्यक्रम भा.कृ.अ.प. सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिकों, प्रशासनिक एवं तकनीकी स्टाफ के सदस्यों के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2017 का आयोजन

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्णय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुसार भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर द्वारा 30 अक्तूबर 2017 से 4 नवम्बर 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मुख्य विषय 'मेरी दृष्टि- भ्रष्टाचार मुक्त भारत' था। कार्यक्रम का शुभारंभ सीआईडब्ल्यूए परिसर में 30 अक्तूबर 2017 को अधिकारियों तथा स्टाफ द्वारा शपथ-ग्रहण के साथ हुआ। डॉ. (श्रीमती) जितेन्द्र किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए ने इस कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताते हुए सभी स्टाफ सदस्यों को शपथ दिलाई। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, सतर्कता अधिकारी, भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए ने सीवीसी पोर्टल पर ऑन-लाइन एकता शपथ के बारे में संक्षेप में बताया तथा सभी से http://pledge.cvc.nic.in/ पर ई-शपथ लेने का अनुरोध किया।

Celebration of Agricultural Education Day

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar celebrated 'Agricultural Education Day' at Government Nodal High School, CRP, Baramunda, Bhubaneswar. During the occasion, quiz, debate and art competitions were organized among the school students. The topic of the debate competition was 'Importance of Agricultural Education: Need of the Hour'. Shri Susant Kumar Patra, Ex Head Master, Unit 6 Boys Highs School, Bhubaneswar was the Chief Guest of this occasion and inspired the children through his motivational speech. A total of 250 students and 30 school teachers participated in the programme. The Valedictory Programme/ Award Ceremony, was organized on 5th December, 2017 at ICAR-CIWA on the concluding ceremony of the Agricultural Education Day, Women in Agriculture Day and World Soil Day. Dr. P.C. Lenka, Ex HOD, Dept of Horticulture, OUAT, Bhubaneswar, graced the occasion as Chief Speaker. Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA distributed prizes to the winners at the end of the programme. This programme was coordinated by the Nodal Officer Ms Gayatri Moharana and Co Nodal Officer Dr. Biswanath Sahoo along with the help of team members Mrs. Ankita Sahu, Mr. B.C Sahu, Er. Pragati Kishore Rout, Mr. Manoranjan Prusty and Mr. B.C. Behera.

कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन

भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर द्वारा शासकीय नोडल उच्च विद्यालय, सीआरपी, बारामुंडा, भुवनेश्वर में 'कृषि शिक्षा दिवस' का आयोजन किया। इस अवसर पर छात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद तथा कला प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था 'कृषि शिक्षा का महत्व: समय की मांग'। श्री सुशांत कुमार पात्रा, पूर्व प्रधान अध्यापक, इकाई ६ बाल उच्च विद्यालय, भुवनेश्वर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे जिन्होंने अपने प्रेरणादायक भाषण से बच्चों को प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में कुल 250 छात्रों और 30 विद्यालय अध्यापकों ने भाग लिया। समापन कार्यक्रम पुरस्कार समारोह का आयोजन 5 दिसम्बर 2017 को भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए में कृषि शिक्षा दिवस, कृषिरत महिला दिवस और विश्व मृदा दिवस के समापन समारोह के साथ आयोजित किया गया। डॉ. पी.सी. लेंका, पूर्व विभागाध्यक्ष, बागवानी विभाग, ओडिसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने मुख्य वक्ता के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए ने कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम का समन्वयन नोडल अधिकारी सुश्री गायत्री मोहराना और सह-नोडल अधिकारी डॉ. विश्वनाथ साहू द्वारा उनके दल के सदस्यों नामत: श्रीमती अंकिता साहू, श्री बी.सी.साहू, इं. प्रगति किशोर राउत, श्री मनोरंजन पुस्ती और श्री.बी.सी. बेहरा की सहायता से किया गया।

'National Science Day' celebrated at village Balarampur in Athagarh Block of Cuttack District

'National Science Day' was celebrated on 28th February, 2018 at village Balarampur in Athagarh Block of Cuttack district. The programme was inaugurated by Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA who briefed about the significance of celebrating 'National Science Day' and the theme 'Science and Technology for a Sustainable Future'. In the technical session, the queries of farm families were addressed on

कटक जिले के अथागढ़ ब्लॉक के बलरामपुर गांव में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' का आयोजन

कटक जिले के अथागढ़ ब्लॉक के बलरामपुर गांव में 28 फरवरी 2018 को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए ने किया जिन्होंने 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' और मुख्य विषय 'टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' के महत्व के बारे में संक्षेप में बताया। तकनीकी सत्र में बागवानी फसलों का उत्पादन बढ़ाने तथा पशुओं और कुक्कुटों में नाशकजीव एवं रोग

scientific methods of increasing productivity in horticultural crops, and the pest and disease management in livestock and poultry. As part of the celebration, an 'Agricultural Quiz' programme was also conducted among the school children and farm women. A debate on the theme of the Day was also organized in which, about seven farm women participated. A total of 150 farm women, students and many progressive farmers from four villages *viz.*, Nuagada, Baulapada, Balarampur and Balisahi of Athagarh block of Cuttack district attended the programme and also actively participated in quiz and debate competitions. The participants including the children were also sensitized about the 'Swachch Bharat Abhiyan' and the significance of keeping the surroundings neat and tidy. The programme was organized by Dr. Biswanath Sahoo, Dr. J. Charles Jeeva, Ms. Gayatri Moharana, Smt. Tapaswini Sahoo, and Dr. A.K. Panda, Nodal Officer, 'National Science Day' programme.

Celebration of Foundation Day and Technology Demonstration Mela

ICAR-CIWA celebrated its Foundation Day on March 5, 2018. During this occasion, a Technology Demonstration Mela and Scientist-Farmer Interface were organized in which 150 farmwomen from Koraput, Cuttack and Puri districts of Odisha had participated. The Hon'ble DDG (Education), ICAR, New Delhi, Dr. Narendra Singh Rathore had graced the occasion as the Chief Guest. The Vice Chancellor of OUAT, Bhubaneswar, Prof. (Dr.) S. Pasupalak was the Guest of Honour while Director ICAR-IIWM, Bhubaneswar, Dr. S. K. Ambast and the representative of Director, ICAR-Central Institute for Freshwater Aquaculture, Bhubaneswar, Dr. B. R. Pillai were the Special Guests of the occasion. Besides, there were many other Dignitaries from ICAR, SAUs and NGOs who attended this suspicious function. At the outset of this event, the Director of the Institute, Dr. S.K. Srivastava welcomed all the delegates and highlighted the significant achievements of the Institute. Dr. Narendra Singh Rathore, DDG (Education), ICAR during his Presidential address, signified the important role of CIWA in achieving women empowerment in agriculture and underlined the contribution of farmwomen in sustainability of Indian agriculture. In the Technology

प्रबंध की वैज्ञानिक विधियों के बारे में खेतिहर परिवारों ने प्रश्न पूछे जिनका वैज्ञानिकों ने संतोषजनक उत्तर दिया। इस समारोह के एक अंग के रूप में विद्यालय के बच्चों तथा खेतिहर महिलाओं के बीच 'कृषि प्रश्नोत्तरी' का आयोजन किया गया। इस दिन के मुख्य विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें लगभग सात खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। कटक जिले के अथागढ़ ब्लॉक के चार गांवों नामत: नुआगढ़ा, बौलापाड़ा, बलरामपुर और बालीसाही से आए कुल 150 खेतिहर महिलाओं, छात्रों तथा अनेक प्रगतिशील किसानों ने इस कार्यक्रम तथा वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों सहित सभी प्रतिभागियों को 'स्वच्छ भारत अभियान' के प्रति प्रेरित किया गया तथा उन्हें आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने के महत्व के बारे में बताया गया। यह कार्यक्रम डॉ. विश्वनाथ साहू, डॉ.जे. चार्ल्स जीवा, सुश्री गायत्री मोहराना, श्रीमती तपस्विनी साहू और डॉ. ए.के. पांडा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के नोडल अधिकारी के द्वारा आयोजित किया गया था।

स्थापना दिवस तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेले का आयोजन

भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए ने 5 मार्च 2018 को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला और वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा का आयोजन हुआ जिसमें ओडिशा के कोरापुट, कटक और पुरी जिलों की 150 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। माननीय उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प. नई दिल्ली, डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के कुलपति प्रो. (डॉ.) एस. पसुपालक सम्मानीय अतिथि थे जबकि निदेशक, भा.कृ.अ.प.-आईआईडब्ल्यूएम, भुवनेश्वर, डॉ. एस.के. अम्बस्ट तथा निदेशक, भा.कृ.अ.प. - केन्द्रीय मीठा जल जलजंतुपालन संस्थान, भुवनेश्वर के प्रतिनिधि डॉ. बी.आर. पिल्लै इस अवसर पर विशेष अतिथि थे। इनके अलावा भा.कृ.अ.प. राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और स्वयंसेवी संगठनों के अनेक महानुभावों ने इस समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के निदेशक डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर,

Demonstration Mela, the farm women witnessed the demonstrations of various women friendly technologies developed and identified by ICAR-CIWA. In addition, there were also 10 exhibition stalls exhibiting the advanced agricultural technologies. During Farmer-Scientist Interface, the queries of farm women were answered by the Expert team of CIWA. Twenty progressive farmwomen in the fields of Ginger cultivation, Rice cultivation, Nutrition garden, Poultry rearing, Mushroom cultivation, Groundnut cultivation and Dairy farming from different villages (Raipur, Khandagarh, Dihasahi, Kadua, Talapatna, Routsahi, Beherasahi, Chanaguda, Patangi, Similiguda, Nuagada, Balarampur, Baliasahi, Bandhahata, Katakiasahi, Chanharpada, Denuabasta, Denua, Alipingala, Seulasahi) were awarded with certificates and award kits. The formal vote of thanks was extended by Dr. Sabita Mishra, Nodal Officer, Foundation Day.

Celebration of International Women's Day

ICAR-CIWA celebrated International Women's Day on March 8, 2018 by organising a workshop on "Prevention of Sexual Harassment at Workplace" in collaboration with National Academy for Human Resource Development (NAHRD), New Delhi. Dr. Tanuja S., Nodal officer for the programme, welcomed all the delegates and participants. The inaugural function was graced by Prof. (Dr.) P. Yasodhara, former Special Officer of College of Home Science, OUAT, Bhubaneswar as the Chief Guest. She highlighted the significance of the day and contributions made by women to the society by playing various roles as mother, daughter, wife and daughter-in-law. The Director-in-charge, Dr. Anil Kumar emphasized the importance of the Day and congratulated all women for their endless and significant endeavours. The resource person for the workshop, Shri Mahabir Singh Kasana, former Joint Director, Institute of Secretariat Training and Management, Department of Personnel and Training, Government of India graced the occasion as Guest of Honour. During the workshop he delivered informative lectures citing a number of case studies on "Prevention of Sexual Harassment at Workplace". He also sensitized the participants about the Prevention of Sexual Harassment

उप महानिदेशक की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए भारतीय कृषि को टिकाऊ बनाने में खेतिहर महिलाओं के लिए अनुकूल विभिन्न प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन को देखा। इसके अलावा प्रगत कृषि प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए 10 प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाए गए थे। कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा के दौरान खेतिहर महिलाओं की शंकाओं का भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए के विशेषज्ञ दल ने समाधान किया। अदरक की खेती, चावल की खेती, पोषण उद्यान, कुक्कुट पालन, खुम्बी की खेती, मूंगफली की खेती के लिए विभिन्न गांवों (रायपुर, खांदागढ़, दिहासाही, कदुआ, तालापटना, राउतसाही, बेहरासाही, चानागुडा, पतंगी, सिमिलीगुडा, नुआगादा, बलरामपुर,बालियासाही, बांधाह्राटा, कतकियासाही, चानहरपाड़ा, दे नुआबास्ता, देनुआ, अलीपिंगाला, सेवलासाही) की 20 प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं को प्रमाण -पत्र तथा पुरस्कार किट प्रदान किए गए। डॉ. सविता मिश्रा, नोडल अधिकारी, स्थापना दिवस ने औचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए द्वारा राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास अकादमी (एनएएचआरडी), नई दिल्ली के सहयोग से 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाव' विषय पर कार्यशाला आयोजित करते हुए दिनांक 8 मार्च 2018 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। डॉ. तनुजा एस. नोडल अधिकारी ने प्रतिनिधियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में प्रो. (डॉ.) पी. यशोधरा, पूर्व विशेष अधिकारी, गृह विज्ञान महाविद्यालय, उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने इस दिन का महत्व बताते हुए महिलाओं द्वारा मां, पुत्री, पत्नी और बहु के रूप में निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं के द्वारा समाज में उनके योगदानों का उल्लेख किया। प्राभारी निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने इस दिन का महत्व बताया तथा महिलाओं को उनके असीम तथा उल्लेखनीय कार्यों व प्रयास के लिए बधाई दी। कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति श्री महाबीर सिंह कसाना, पूर्व संयुक्त निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार ने सम्मानीय अतिथि के रूप में अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यशाला के दौरान उन्हों ने 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम बचाव, 2013 से भी अवगत कराया तथा आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), जांच करने में अपनाए जाने वाले विभिन्न चरणों, कार्य स्थल पर महिला कर्मचारियों के लिए नियमों व प्रावधानों से प्रतिभागियों को

Act, 2013, the importance of Internal Complaints Committee (ICC), steps for conducting inquiry, rules and provisions for the women employees at the workplace etc. Around 90 participants attended the workshop which included women scientists, women technical staff, administrative staff and women's cell members from different ICAR Institutes, i.e. ICAR-CIWA, ICAR-IIWM, ICAR-CHES, ICAR-NRRI and OUAT, Bhubaneswar. There were a series of interactive sessions in the workshop and the participants also got an opportunity to clarify their queries on the topic during the event. The workshop concluded with formal vote of thanks by Dr. Sabita Mishra. The programme was successfully coordinated by the Nodal Officer Dr. Tanuja S. and Co Nodal Officer Dr. Sabita Mishra with the help of team members Er. Chaitrali S. Mahtre (Scientist, FMP), Mrs. Ankita Sahu (Scientist, Fruit Science), Dr. S.K. Nayak (Sr. Technical Assistant) and A.C. Hemrom (Technical Assistant).

TRAINING/ EXTENSION ACTIVITIES/ OUTREACH ACTIVITIES/ TECHNOLOGY TRANSFER

Model Training Course

Model Training Course (MTC) of 8 days duration on "Enabling Environment and Rural Infrastructure for Improving Women's Seed Access" was organized at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar from October 24-31, 2017. The programme was sponsored by Directorate of Extension, Department of Agriculture & Farmer's Welfare, Ministry of Agriculture, Government of India. The objective of the MTC was (i) to improve the professional competence and upgrade the knowledge and develop technical skills of officials of line departments/ extension workers in understanding farm women perspectives in quality seed production and (ii) to avail an opportunity of experience sharing, problem solving and interaction between experts and participants on researchable issues in seed availability and seed access to women through involving women in seed production by creating an enabling environment in the villages and providing basic infrastructure.

अवगत कराया। इस कार्यशाला में लगभग 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों जैसे भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए, भा.कृ.अ.प-सीएचईएस, भा.कृ.अ.प.- एनआरआरआई और उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से आए महिला वैज्ञानिक,महिला तकनीकी स्टाफ, प्रशासनिक स्टाफ व महिला कोष्ठ के सदस्य शामिल थे। कार्यशाला में अनेक परिचर्चा सत्र आयोजित किए गए थे जिसके कारण इस अवसर पर प्रतिभागियों को उक्त विषय पर अपने शंकाओं के समाधान का मौका मिला। कार्यशाला का समापन डॉ. सबिता मिश्रा के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का नोडल अधिकारी डॉ. तनुजा एस. और सह-नोडल अधिकारी डॉ. सबिता मिश्रा ने आयोजन किया था जिन्हें इस कार्य में उनके दल के सदस्यों नामतः इं. चित्राली एस. म्हात्रे (वैज्ञानिक, एफएमपी), श्रीमती अंकिता साहू (वैज्ञानिक, फल विज्ञान), डॉ. एस. के. नायक (वरिष्ठ तकनीकी सहायक) तथा ए.सी. हेमरोंम (तकनीकी सहायक) से बहुमूल्य सहायता प्राप्त हुई थी।

प्रशिक्षण / विस्तार गतिविधियां/ आउटरीच गतिविधियां / प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में 21-31 अक्तूबर 2017 को 'महिलाओं की बीज तक पहुंच को सुधारने के लिए सक्षम पर्यावरण एवं ग्रामीण बुनियादी ढांचा' विषय पर 8 दिवसीय मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (एमटीसी) आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विस्तार निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित था। इसका उद्देश्य था (i) गुणवत्तापूर्ण बीजोत्पादन में खेतिहर महिलाओं की अवधारणा को समझने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों /विस्तार कर्मियों के ज्ञान एवं तकनीकी कौशल का उन्नयन एवं विकास तथा उनकी व्यावसायिक क्षमता में सुधार और (ii) गांवों में सक्षम पर्यावरण सृजित करके और मौलिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराते हुए बीजोत्पादन में महिलाओं को शामिल करते हुए महिलाओं की बीज उपलब्धता के प्रति समझ और बीज तक पहुंच में अनुसंधान योग्य मुद्दों पर विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के बीच अनुभव की भागीदारी करना, समस्या को हल करना और उनके बीच संवाद

In this Model Training Course (MTC), 20 officers from 8 different State Government agriculture departments like Arunachal Pradesh, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Chhatishgarh, Madhya Pradesh, Karnataka and Odisha, Agriculture Universities and ICAR Institutes had participated. The training focused on different strategies for creating an enabling environment and infrastructutre in the village which could improve seed production and marketing by farmwomen thereby, improving their access to quality seed. There were 25 theory classes, 5 practical, 5 field visits, one interface with farmwomen and several group exercises and group presentations in the training. The course team consisted of Dr Laxmi Priya Sahoo (Course Director), Dr Sabita Mishra, Dr J Charles Jeeva and Ms Chaitrali S Mhatre (Course coordinators). In the valedictory session, Dr Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA emphasized that knowledge on gender aspects is a must before planning any developmental programme. She also added that provision of an enabling environment for women would necessitate addressing many more factors including infrastructural facilities and capacity building. The course was found useful for both trainers and trainees.

Scientists-Farmers Interface under the project, "Exploratory study on nutritional status of Nabarangpur dist. of Odisha"

Scientists-Farmers Interface was organized under the project, "Exploratory study on nutritional status of Nabarangpur dist. of Odisha", at Semala village under Umerkote block of Nabarangpur district on 28 October, 2017 in which more than 80 farm women participated. Apart from the team from ICAR-CIWA headed by Dr. S. K. Srivastava, PI of the project, other imminent guests for the occasion were Dr. D. V. Singh, Senior Scientist and Head, Krishi Vigyan Kendra, Nabarangpur; Child Development Project Officer (CDPO), ICDS of Umerkote Smt. S. Gita and Mahila Sarpanch of Semala village Smt. Duti Batra were invited as Chief guest and Guest of honour. Baseline data was also collected from the participating farmwomen.

स्थापित करने का एक अवसर उपलब्ध कराना था।

इस मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (एमटीसी) में 8 विभिन्न राज्य शासकीय कृषि विभागों जैसे अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उड़ीसा; कृषि विश्वविद्यालयों और भा.कृ.अ.प. के संस्थानों से आए 20 अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में गांवों में सक्षम पर्यावरण व बुनियादी ढांचा सृजित करने के लिए ऐसी विभिन्न कार्यनीतियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया जिनसे बीजोत्पादन तथा ग्रामीण महिलाओं द्वारा उनकी बिक्री की दिशा में सुधार हो सके और इस प्रकार महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण बीज तक पहुंच सुलभ हो सके। कुल 25 सिद्धांत कक्षाएं, 5 प्रयोगात्मक कक्षाएं, 5 खेत भ्रमण और खेतिहर महिलाओं के साथ परिचर्चा का आयोजन किया गया और इसके साथ ही इस प्रशिक्षण में अनेक समूह अभ्यास तथा समूह प्रस्तुतीकरण भी आयोजित किए गए। पाठ्यक्रम दल में डॉ. लक्ष्मी प्रिया साहू (पाठ्यक्रम निदेशक), डॉ. सबिता मिश्रा, डॉ. जे. चार्ल्स जीवा तथा सुश्री चैत्राली एस. म्हात्रे (सभी पाठ्यक्रम समन्वयक) शामिल थे। समापन सत्र में डॉ. जितेन्द्र किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए ने इस तथ्य पर बल दिया कि किसी भी विकासात्मक कार्यक्रम की योजना बनाने से पहले लिंग संबंधी पहलुओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए सक्षम पर्यावरण बनाने के लिए अनेक पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी जिनमें बुनियादी ढांचे संबंधी सुविधाओं और क्षमता निर्माण भी शामिल है। यह पाठ्यक्रम

'ओडिशा के नवरंगपुर जिले के पोषणिक स्तर पर खोजपूर्ण अध्ययन' परियोजना के अंतर्गत वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा

ओडिशा के नवरंगपुर जिले के उमेरकोट ब्लॉक के अंतर्गत सेमाला गांव में 'ओडिशा के नवरंगपुर जिले के पोषणिक स्तर पर खोजपूर्ण अध्ययन' परियोजना के अंतर्गत 28 अक्तूबर 2017 को वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा आयोजित हुई जिसमें 80 से अधिक खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. एस.के. श्रीवास्तव के नेतृत्व में गठित भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए से आए दल के अलावा इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथि जैसे डॉ. डी.वी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र, नवरंगपुर; बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), उमेरकोट की आईसीडीएस श्रीमती एस. गीता और सेमाला गांव की महिला सरपंच श्रीमती दुती बतरा भी मुख्य अतिथि और सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रतिभागी खेतिहर महिलाओं से आधारभूत आंकड़े एकत्र किए गए।

LEAP - Leadership and Entrepreneurship Program for Women in Agriculture

As part of the IRRI-CIWA Collaborative Project on 'Increased Productivity of Rice based Cropping Systems and Farmers Income in Odisha', a training course on "LEAP - Leadership and Entrepreneurship Program for Women in Agriculture" was organized at ICAR-CIWA, Bhubaneswar during 30 October-3 November, 2017. The goal of the course was to develop leadership and entrepreneurship skills of women, who are middle-level cadres in Non Governmental Organizations (NGOs).

The programme would train women to be leaders and facilitators of entrepreneurship development, in a workshop format of 5 days duration. This would be followed by coaching and mentoring as they support enterprise development by rural women including youth. Twenty one middle level cadres from different NGOs in Odisha participated in the course. Dr. Jatinder Kishtwaria from ICAR-CIWA, Dr. Ranjitha Puskur, Dr. Poonima Shankar and Dr. M. Myriam from IRRI, and Dr. C.R. Pattanayak from Entrepreneurship Development Institute imparted training. The expected outputs of the course was that, at the end of the programme, the participants would have an invaluable sense of their own potential as leaders and change-makers in society. They would also be able to support development of viable businesses by women farmers.

Farmers- Scientists Interface on Improved Goat Farming

A Farmers- Scientists Interface was organized in ATMA Hall, Jagannath Prasad, Bhanjanagar, Ganjam under the project "Enhancing Income of Rural Women through Improved Goat Rearing" on 12th December 2017. Dr. B. Sahoo, Pr. Scientist & PI of the project welcomed the participants and briefed about the project activities in the study areas of Ganjam district. Dr. A. K. Panda, Pr. Scientist & Co PI

लीप-कृषिरत महिलाओं के लिए नेतृत्व तथा उद्यमशीलता कार्यक्रम

'ओडिशा में चावल आधारित फसल प्रणालियों की उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि' शीर्षक की आईआरआरआई- सीआईडब्ल्यूए सहयोगी परियोजना के एक अंग के रूप में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में 30 अक्तूबर 30 नवम्बर 2017 को 'लीप-कृषिरत महिलाओं के लिए नेतृत्व तथा उद्यमशीलता कार्यक्रम' पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य गैर-सरकारी संगठनों में मध्यम स्तर के वर्ग की महिलाओं में नेतृत्व तथा उद्यमशीलता के कौशल को विकसित करना था।

इस कार्यक्रम से महिलाओं को उद्यमशीलता विकास का नेतृत्व करने व सुविधक बनने के लिए प्रशिक्षण करना संभव होगा। यह कार्यशाला 5 दिन की थी। इससे ग्रामीण महिलाओं और युवाओं द्वारा उद्यमों के विकास में सहायता पहुंचाने के लिए उन्हें प्रशिक्षण देने व उन्हें परामर्शदायी बनाने में सहायता मिली। ओडिशा के विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों की 21 मध्य स्तर के वर्ग की महिलाओं ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। भा.कृ.अ.प. - सीआईडब्ल्यूए से डॉ. जितेन्द्र किश्तवारिया; आईआरआरआई से डॉ. रंजीता पुस्कर, डॉ. पूर्णिमा शंकर और डॉ. एम. मरियम; तथा उद्यमशीलता विकास संस्थान से डॉ. सी.आर. पटनायक ने प्रशिक्षण दिया। इस पाठ्यक्रम का अपेक्षित परिणाम यह हुआ कि कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को नेताओं तथा समाज में परिवर्तन लाने की अपनी बहुमूल्य क्षमता का ज्ञान हुआ। इसके द्वारा खेतिहर महिलाओं में व्यावहारिक व्यापार के विकास में सहायता पहुंचाना भी संभव हुआ।

उन्नत बकरी पालन पर कृषक-वैज्ञानिक संवाद

'उन्नत बकरी पालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि' परियोजना के अंतर्गत आत्मा हाल, जगन्नाथ प्रसाद, भंजनगर, गंजम में 12 दिसम्बर 2017 को कृषक - वैज्ञानिक संवाद का आयोजन हुआ। डॉ. बी. साहू, प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा गंजम जिले के अध्ययन के क्षेत्रों में परियोजना की गतिविधियों के बारे में सभी को बताया। डॉ. ए.के. पाण्डा, प्रधान वैज्ञानिक एवं सह परियोजना समन्वयक ने खेतिहर महिलाओं की आजीविका को सहायता पहुंचाने के लिए उन्नत बकरी पालन के माध्यम से आय सृजित करने में महिलाओं की

highlighted the role of women on income generation through improved goat farming for livelihood support of farm women. Dr. R. M. Maharatha, Chief District Veterinary Officer, Ganjam dist. and chief guest of the function advised the farm women to undertake scientific breeding, feeding and management for higher return and appreciated the activities undertaken by the scientists of ICAR-CIWA for upliftment of farm women engaged in goat rearing under the leadership of Dr S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. Dr. S. K. Nayak and Shri D. N. Sarangi along with officials from KVK, Bhanjanagar and A.H. Department, Ganjam participated in the interface and updated the technological information on improved goat farming. About 100 farm women from the adopted cluster of villages (Jirabadi, Jagannath prasad, Lepa, Sasan, Agyan Prasad, Panchabati, Chadiapali, Kumundi) had participated in the interface and shared their views in goat farming.

Scientists-Farmers Interface under the Project for Doubling Farmers' Income

Scientists-Farmers Interface Meeting was organized under the Project on 'Developing gender sensitive model for doubling farmers' income by addressing gender concerns and technological gaps' at Tarkei Bounshaput village in Khordha district on 29th December, 2017. The programme was presided over by Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, which was graced by the participation of Shri. Bijoy Ku. Das, Sarpanch, Mallipur Grama Panchayat, and Smt. Anjali Pradhan, Ward Member of Bounshaput village.

The interface was organized to sensitize the farm families about the project objectives, need to assess the gender concerns in accessing productive resources and extension services among the farm families, the need for providing equal opportunity for men and women in implementing the technological modules, motivation of rural youth to involve in agriculture sector/ adoption of various vocations with entrepreneurship mode and on the latest technologies in agriculture and allied sectors.

The Scientific and Technical team from ICAR-CIWA, consisting of Dr. Sabita Mishra, Dr. A.K. Panda, Dr. Jyoti

भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. आर. एम. महराठा, मुख्य जिला पशुचिकित्सा अधिकारी, जिला गंजम और समारोह के मुख्य अतिथि ने खेतिहर महिलाओं को वैज्ञानिक ढंग से बकरी प्रजनन, आहार और प्रबंध को अपनाने की सलाह दी ताकि उन्हें अधिक लाभ हो सके। इसके साथ ही उन्होंने डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के नेतृत्व में बकरी पालन में रत खेतिहर महिलाओं के उत्थान के लिए भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिकों द्वारा चलाई जाने वाली गतिविधियों की भी सराहना की। कृषि विज्ञान केन्द्र, भंजनगर तथा पशुपालन विभाग गंजम के अधिकारियों के साथ डॉ. एस.के. नायक और श्री डी.एन.सारंगी ने इस संवाद में भाग लिया तथा उन्नत बकरी पालन पर प्रौद्योगिकी संबंधी सूचना को अद्यतन किया। गांवों के अपनाए गए क्लस्टर (जिराबादी, जगन्नाथ प्रसाद, लेपा, सासन, अज्ञान प्रसाद, पंचबटी, चांदीपाली, कुमुंडी) से आई लगभग 100 खेतिहर महिलाओं ने इस संवाद में भाग लिया तथा बकरी पालन पर अपने अनुभवों तथा विचारों को परस्पर बांटा।

किसानों की आय दुगुनी करने के लिए परियोजना के अंतर्गत वैज्ञानिक-कृषक संवाद

'लिंग संबंधी चिंताओं तथा प्रौद्योगिकी अंतरालों से निपटते हुए किसानों की आय दुगुनी करने के लिए लिंग संवेदी माडल विकसित करना' विषय पर परियोजना के अंतर्गत खोरधा जिले के तारकेई बौंसापुट गांव में 29 दिसम्बर 2017 को वैज्ञानिक-कृषक संवाद बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस.के श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने की। इस अवसर पर श्री बिजय कु. दास, सरपंच मल्लीपुर ग्राम पंचायत और श्रीमती अंजली प्रधान बौंसापुट गांव की वार्ड सदस्य भी उपस्थित थे।

इस संवाद का आयोजन खेतिहर परिवारों को परियोजना के उद्देश्यों, उत्पादक संसाधनों तक पहुंच में लिंग संबंधी चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता, खेतिहर परिवारों के बीच उत्पादक संसाधनों तक पहुंच और विस्तार सेवाओं के उपलब्ध होने, प्रौद्योगिकीय मॉड्यूलों को लागू करने में महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता, उद्यमशीलता के मोड में विभिन्न व्यवसायों को अपनाने / कृषि क्षेत्र में शामिल ग्रामीण युवाओं को प्रेरित करने तथा कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में नवीनतम प्रौद्योगिकियों के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी देना और प्रेरित करना था।

भा.कृ.अ.प. -सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिक एवं तकनीकी दल, जिसमें डॉ. सबिता मिश्रा, डॉ. ए.के. पंडा, डॉ. ज्योति नायर, डॉ. तनुजा, श्रीमती

Nayak, Dr. Tanuja, Smt. Ankita Sahu, Shri. Manoranjan Prusty and Shri. B.C. Behera delivered technical talks and attended the queries of the farm families. Drudgery reducing minor farm tools were also distributed during the programme. Earlier, the PI of the project, Dr. J. Charles Jeeva welcomed the participants and briefed about the project. The programme was attended by about 120 farmers, including farm women from three self help groups. The event was well covered by the print and electronic media.

SIMA Training Programme-2018 on "Capacity Building of Farming Women"

ICAR - Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar organized National Training programme on "Capacity Building of Farming Women" for the representatives of state extension functionaries, NGOs and farmer's organisations of Uttar Pradesh from January 19-23, 2018. The programme was sponsored by State Institute for Management of Agriculture, Rehmankhera, Lucknow, Uttar Pradesh. The objective of the programme was to improve the professional competence, upgrade the knowledge and develop technical skills of progressive farmwomen, extension workers and stakeholders working for empowerment of women in agriculture of Uttar Pradesh. The programme created an opportunity for experience sharing and problem solving by interaction between experts and participants for identification of location specific researchable issues of farmwomen. Strategies were discussed for their capacity building by creating an enabling environment, knowledge improvement and field demonstrations.

The SIMA Training was attended by 13 participants nominated from Uttar Pradesh State Agriculture Department. The programme focused on capacity building of farmwomen to emerge as leaders for technology dissemination and grass root innovation. The training comprised 16 theory classes, 5 practicals, one field visit, 2 group exercises and one group presentation. The compendium of the training was completely prepared in Hindi and even the presentations were also delivered in Hindi. The course team consisted of Dr. Laxmi Priya Sahoo and Smt. Ankita sahu, as Course coordinators and

अंकिता साहू, श्री मनोरंजन प्रुस्ती और श्री बी.सी. बेहरा शामिल थे, ने तकनीकी वार्ताएं प्रस्तुत कीं तथा खेतिहर परिवारों की शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान परिश्रम को कम करने वाले खेती संबंधी छोटे औजार भी प्रतिभागियों को बांटे गए। इसके पूर्व परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. चार्ल्स जीवा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा परियोजना के बारे में संक्षेप में बताया। इस कार्यक्रम में तीन स्वयं सहायता समूहों की खेतिहर महिलाओं सहित लगभग 120 किसानों ने भाग लिया।

'खेतिहर महिलाओं का क्षमता निर्माण' पर एसआईएमए प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर द्वारा 1923 जनवरी 2018 को उत्तर प्रदेश के राज्य विस्तार संगठनों, स्वयं सेवी संगठनों तथा कृषक संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए 'खेतिहर महिलाओं का क्षमता निर्माण' पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, रहमान खेड़ा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में कृषिरत महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कार्य करने वाले प्रगतिशील खेतिहर महिलाओं, विस्तार कर्मियों और हितधारकों की व्यवसायिक सक्षमता में सुधार करना, ज्ञान को उन्नत करना और तकनीकी कौशल का विकास करना था। इस कार्यक्रम से खेतिहर महिलाओं के स्थान विशिष्ट अनुसंधान योग्य मुद्दों की पहचान के लिए विशेषज्ञों तथा प्रतिभागियों में पारस्परिक चर्चा के द्वारा अपने-अपने अनुभवों को बांटने तथा समस्या को हल करने का अवसर उपलब्ध हुआ। सक्षम वातावरण सृजित करके, ज्ञान में सुधार लाकर तथा खेत प्रदर्शनों के द्वारा प्रतिभागियों की क्षमता निर्माण के लिए क्या कार्यनीतियां अपनाई जाएं इस पर भी चर्चा हुई।

एसआईएमए प्रशिक्षण में उत्तर प्रदेश राज्य कृषि विभाग द्वारा नामित 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेतिहर महिलाओं की क्षमता के निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया गया, ताकि वे प्रौद्योगिकी के प्रचार -प्रसार और ग्रामूल स्तर के नवोन्मे के विस्तार हेतु नेताओं के रूप में उभर सकें। इस प्रशिक्षण में 16 सिद्धांत कक्षाएं, 5 प्रयोगात्मक कक्षाएं, 1 खेत भ्रमण, 2 समूह अभ्यास और 1 समूह प्रस्तुतीकरण शामिल थे। प्रशिक्षण सामग्री पूरी की पूरी हिन्दी में तैयार की गई और यहां तक की प्रस्तुतीकरण भी हिन्दी में ही किए गए। पाठ्यक्रम के एक दल ने डॉ. लक्ष्मी प्रिया साहू और श्रीमती अंकिता साहू, पाठ्यक्रम समन्यकों के रूप में तथा श्री मनोरंजन प्रुस्त, श्री

Sri. Manoranjan Prusty, Sri. Sanjay Kumar Behera and Smt. Tapaswini Sahoo as facilitators. In the valedictory session, Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA emphasized that, knowledge on gender aspects, capacity building and women leadership development is essential for inclusive development of rural agriculture. He also highlighted the need for effective management of women's capacity, locally available resources and women friendly agro based entrepreneurial activities which will lead to livelihood improvement of farm families. The course was found useful for both trainers and trainees.

Training Programme on "Homestead Pond Management"

A Training programme on homestead pond management was organized under the institute project "Gender inclusive homestead aquaculture for enhancing household fish consumption and income" at Dubuduba village, Satyabadi block, Puri district on 23rd January, 2018. Around 48 farmers, both men and women, participated in the programme. The training had a icebreaking session and a technical session. In the Icebreaking session, the participants were teamed into pairs where they explained about each other and their hopes and fears about the project. In the technical session, they were made aware about how to maintain the fertility of homestead pond water by applying manure and chemical fertilizers. They were also trained about supplementary feed preparation and methods of feed disbursement. The programme was co-ordinated by Dr. Tanuja, S., Ms. Gayatri Moharana and Dr. Sujit Kumar Nayak.

Farmers-Scientists Interface under the Project Optimizing Technological Interventions with Gender Perspective in Small Scale Mango Orchards

Farmers-Scientists Interface Meeting was organized under the Project 'Optimizing Technological Interventions with Gender Perspective in Small Scale Mango Orchards' at Betnasia village in Mayurbhanj district on 6th February, 2018. The programme was graced by Dr. Sanghamitra Pattnaik, Senior Scientist & Head of KVK Mayurbhanj, Ms. Ankita Sahu, Scientist from ICAR-CIWA, Sri Manoranjan Prusty, Sr. Technical

संजय कुमार बेहरा और श्रीमती तपस्विनी साहू सुविधकों के रूप में शामिल थे। समापन सत्र में डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने लिंग संबंधी पहलुओं के ज्ञान तथा क्षमता निर्माण और महिला नेतृत्व के विकास पर बल दिया जो ग्रामीण कृषि के समग्र विकास के लिए अनिवार्य है। उन्होंने महिलाओं की क्षमता के प्रभावी प्रबंध, स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों और महिलाओं के लिए अनुकूल कृषि आधारित उद्दमशीलता की गतिविधियों पर प्रकाश डाला जिनसे खेतिहर परिवारों की आजीविका में सुधार लाना संभव होगा। पाठ्यक्रम प्रशिक्षणार्थियों और प्रशिक्षकों, दोनों के लिए ही उपयोगी सिद्ध हुआ।

'वासभूमि तालाब का प्रबंध' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

पुरी जिले के सत्यवादी ब्लॉक के दुबदुबा गांव में 'आवास भूमि मछली उपभोग तथा आय को बढ़ाने के लिए लिंग सकल आवास भूमि जलजंतुपालन' पर संस्थान की परियोजना के अंतर्गत आवास भूमि तालाब प्रबंध पर 23 जनवरी 2018 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में एक अवरोध निराकरण सत्र तथा एक तकनीकी सत्र का आयोजन हुआ। अवरोध निवारण सत्र में प्रतिभागियों को दो दलों में बांटा गया और प्रत्येक दल को दूसरे दल के बारे में बताते हुए परियोजना के संबंध में उनकी आशाओं और उनकी शंकाओं का भी अवलोकन किया गया। तकनीकी सत्र में उन्हें खाद तथा रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करके आवास भूमि तालाब के जल की उर्वरता किस प्रकार बनाए रखी जाए, इसके बारे में जागरूक किया गया। उन्हें मत्स्य पूरक आहार तैयार करने तथा आहार को मछलियों को खिलाने की विधियों के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. तनुजा एस., सुश्री गायत्री मोहराना और डॉ. सुजीत कुमार नायक ने किया।

छोटे आकार के आम के बागों में लिंग के परिदृश्य में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों को उपयुक्ततम बनाने की परियोजना के अंतर्गत कृषक-वैज्ञानिक परचिर्चा

मयूरभंज जिले के बेतनेसिया गांव में 'छोटे आकार के आम के बागों में लिंग के परिदृश्य में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों को उपयुक्ततम बनाने' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत 6 फरवरी 2018 को कृषक-वैज्ञानिक

Assistant, ICAR-CIWA and Sri Pratap Behera, Horticulture Overseer of Morda Block. The objective of the project in improving the productivity of mango orchards through various gender friendly interventions such as intercropping with high value vegetable and fruit crops, canopy management and strategies to produce quality mangoes were briefly discussed by Ms. Ankita Sahu. The role of farm women in enhancing the productivity was highlighted by addressing gender concerns and gender issues in mango based production system. Dr. Sanghamitra Pattnaik during her technical talk deliberated the importance of Horticulture in livelihood enhancement of farm women. She focused on off season vegetable cultivation and utilization of inter row spaces within mango orchards for better revenue generation from the system. The queries of farm women related to horticulture production were entertained and they were supplemented with technical guidance on improved production technologies of horticultural crops. Towards the end of the programme, the farm women were distributed with vegetable seeds for planting in their juvenile mango orchards. There was also scientific demonstration of planting pineapple in the inter row spaces of mango orchards. The programme was co-ordinated by Mrs Ankita Sahu and Mr. Manoranjan Prusty.

Training Programme on Leadership and Entrepreneurship Program for Women in Agriculture

Under the ICAR-CIWA-IRRI collaborative project, a training programme on Leadership and Entrepreneurship Program for Women in Agriculture (LEAP) was conducted at ICAR-CIWA campus during 21-24 February 2018. Eighteen (18) women participants comprising Assistant Agricultural Officers from State Government of Odisha participated in the training programme. The objective of the training programme was to give the participants an invaluable sense of their own potential as leaders and change-makers in society. Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar was the chief guest during the valedictory function, who in his concluding remarks emphasized about the initiatives of the government and the role of participants in empowering the women farmers. The programme ended with distribution of certificates to the participants.

परिचर्चा बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शोभा डॉ. संघमित्र पटनायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, मयूरभंज; सुश्री अंकिता साहू, वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए; श्री मनोरंजन प्रुस्ती, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए तथा अन्य मूल्य वाली सब्जियों और फल-फसलों का अंतर-फसलन, गुणवत्तापूर्ण आम उत्पन्न करने के लिए वितान प्रबंध तथा अन्य कार्यनीतियां, को शामिल करके उत्पादन प्रणाली आधारित आम की फसल में लिंग संबंधी चिंताओं व लिंग संबंधी मुद्दों को दूर करने का प्रयास किया गया। अपनी तकनीकी वार्ता के दौरान डॉ. संघमित्रा पटनायक ने खेतिहर महिलाओं की आजीविका को सुधारने में बागवानी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने प्रणाली से बेहतर आमदनी लेने के लिए बेमौसमी सब्जियों की खेती तथा आम के बागों में वृक्षों के बीच मौजूद स्थान का उपयोग करने पर ध्यान देने का अनुरोध किया। बागवानी उत्पादन से संबंधित खेतिहर महिलाओं की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें बागवानी फसलों की उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम के अंत में खेतिहर महिलाओं को उनके आम के शुरुआती बागों में रोपाई के लिए सब्जियों के बीज वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त आम के बागों में वृक्षों की कतारों के बीच मौजूद खाली स्थान पर अनन्नास की रोपाई का वैज्ञानिक प्रदर्शन भी किया गया। इस कार्यक्रम का सह-समन्वयन श्रीमती अंकिता साहू और श्री मनोरंजन प्रुस्ती ने किया।

कृषिरत महिलाओं के लिए नेतृत्व तथा उद्यमशीलता कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए - आईआरआरआई की सहयोगी परियोजना के अंतर्गत भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए परिसर में 21-24 फरवरी 2018 को कृषिरत महिलाओं के लिए नेतृत्व तथा उद्यमशीलता कार्यक्रम शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ओडिशा के राज्य सरकार के सहायक कृषि अधिकारियों सहित कुल 18 महिलाओं ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों में समाज को नेतृत्व प्रदान करने तथा उसमें परिवर्तन लाने की उनकी अपनी क्षमता का ज्ञान कराना था। डॉ.एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे जिन्होंने अपनी समापन टिप्पणी में सरकार द्वारा की जा रही पहलों तथा खेतिहर महिलाओं के सशक्तिकरण में प्रतिभागियों की भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करने के साथ हुआ।

Farmers-Scientists Interface on Improved Goat Farming

A Farmers- Scientists Interface was organized on 14th March 2018 at village Meghambari Patana, Banapur block, Khorda district under the project "Enhancing Income of Rural Women through Improved Goat Rearing". Dr. B. Sahoo, Pr. Scientist and PI of the project welcomed the participants and briefed about the project activities in Khorda district and highlighted the role of women in income generation through improved goat farming for livelihood support of the farm women. Dr. Anil Kumar, Pr. Scientist, advised the farm women to undertake scientific breeding, feeding and management for higher return. Dr Srikanta Khatua, Block Veterinary Officer gave a detailed talk on the prevention and treatment of various diseases of goats and appreciated the activities undertaken by the scientists of ICAR-CIWA for upliftment of farm women engaged in goat rearing. Dr Jyoti Nayak, Pr. Scientist, ICAR-CIWA highlighted the importance of hygienic and sanitary measures for farm women engaged in goat rearing. Dr Bhagabeti Prasad Das, Asst. Veterinary Surgeon urged the farmers to take the benefits through various schemes implemented by government for improved goat rearing and dairy farming. Dr Rosalin Khatua, Mobile Vety. Officer, Banapur encouraged farm women to be self reliant and earn higher income through improved scientific animal husbandry practices. Shri D. N. Sarangi along with officials from KVK, ATMA and A.H. Department, Banapur participated in the interface and updated the technological information on improved goat farming. About 101 farmers especially farm women from the adopted cluster of villages of Banapur block (Gamei, Pandiripada, Gadadharpur, Karadapally, Dasarathipur, Halanda, Saranai, Saluni, Patrapur, Bhimpur etc.) participated in the interface and shared their views in goat farming. The farm women were advised by the experts to adopt latest technologies for making the goat farming a successful enterprise. The interface ended with vote of thanks by Dr. Jyoti Nayak, Pr. Scientist, ICAR-CIWA

उन्नत बकरी पालन पर कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा

'उन्नत बकरी पालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि' परियोजना के अंतर्गत खोर्दा जिले के बानापुर ब्लॉक के मेघाम्बरी पाटना गांव में 14 मार्च 2018 को एक कृषक -वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। डॉ. बी. साहू, प्रधान वैज्ञानिक तथा परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा खोर्दा जिले में परियोजना की गतिविधियों के बारे में संक्षेप में बताते हुए खेतिहर महिलाओं की आजीविका को सहायता पहुंचाने के लिए उन्नत बकरी पालन के माध्यम से आय सृजन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. अनिल कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने अधिक आमदनी के लिए वैज्ञानिक प्रजनन, आहरण और प्रबंध को अपनाने का परामर्श खेतिहर महिलाओं को दिया। डॉ. श्रीकांत खटुवा ब्लॉक पशुचिकित्सा अधिकारी ने बकरियों के विभिन्न रोगों के बचाव तथा उनके उपचार पर एक विस्तृत वार्ता प्रस्तुत की तथा बकरी पालन में लगी खेतिहर महिलाओं के उत्थान में भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए के वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सराहना की। डॉ. ज्योतिनायक, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए ने बकरी पालन में रत खेतिहर महिलाओं के लिए साफ-सफाई और स्वच्छता संबंधी उपायों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. भगवती प्रसाद दास, सहायक पशुचिकित्सा शल्यचिकित्सक ने उन्नत बकरी पालन और डेरीपालन के लिए सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ उठाने की अपील किसानों से की। डॉ. रोसलिन खाटुआ, चल पशुचिकित्सा अधिकारी, बानापुर ने उन्नत वैज्ञानिक पशुपालन की विधियों के माध्यम से खेतिहर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने तथा अधिक आमदनी कमाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री डी.एन.सारंगी ने कृषि विज्ञान केन्द्र, आत्मा और पशुपालन विभाग, बानापुर के अधिकारियों के साथ इ परिचर्चा में भाग लिया तथा उन्नत बकरी पान पर प्रतिभागियों की प्रौद्योगिकी सूचना को अद्यतन किया। बानापुर ब्लॉक के गोद लिए गए गांवों (गामेई, पांडेरीपाड़ा, गदाधरपुर, करादापल्ली, दशरथीपुर, हलंदा, सरनई, सालुनी, पत्रापुर, भीमपुर आदि) के समूह से आई लगभग 101 खेतिहर महिलाओं और किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा बकरी पालन पर अपने विचारों को अन्य के साथ साझा किया। विशेषज्ञों ने खेतिहर महिलाओं को बकरी पालन को एक सफल उद्यम बनाने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियां अपनाने का परामर्श दिया। इस परिचर्चा का समापन डॉ. ज्योति नायक, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

On campus training on "Scientific Management of Dairy Animals"

The training programme on "Scientific Management of Dairy Animals" was conducted on 28th March, 2018 at the campus of ICAR-CIWA. The training was organized under two Institute projects (1) Mapping livestock and gender and studying the role of institutions in livestock development in Eastern India and (2) Status of Women in Peri-urban Dairy Farming: Mainstreaming their Role for Enhancing Income and Productivity. The training was chaired by Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. About forty farmers and farm women of different villages of Puri, Jagatsinghpur and Cuttack districts participated in the training programme. Dr. B. Sahoo welcomed the farmers and farm women participated in the training programme. Under the programme Dr. B. Sahoo explained the role of proper feeding practices for diary development; Dr. Pinaki Samal explained the diseases occurring in the dairy animals, its causes and prevention measures; Mr. D. N. Sarangi explained the role of fodder cultivation and its importance for dairy animals; Dr. Tanuja S. explained the role of different fish enterprises in economic development; Dr. S.K. Nayak explained about the pond management for fish growing and Dr. Anil Kumar explained the advanced dairy management practices to farmers and farm women. An exposure visit of farmers was conducted to explain the farmers about the fodder cultivation and management.

'डेरी पशुओं के वैज्ञानिक प्रबंध' पर संस्थान परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए परिसर में 28 मार्च 2018 को 'डेरी पशुओं का वैज्ञानिक प्रबंध' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण संस्थान की दो परियोजना के अंतर्गत आयोजित हुआ : (1) पूर्वी भारत में पशुधन तथा लिंग मानचित्रण और पशुधन के विकास में संस्थानों की भूमिका का अध्ययन तथा (2) परिनगरीय डेरी पालन में महिलाओं की स्थिति: आय तथा उत्पादकता में वृद्धि के लिए उनकी भूमिका को मुख्य धारा में लाना। यह प्रशिक्षण डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प- सीआईडब्ल्यूए की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। पुरी, जगतसिंहपुर और कटक जिलों से आए लगभग 40 किसानों और खेतिहर महिलाओं ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ.बी. साहू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों तथा खेतिहर महिलाओं का स्वागत किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. बी. साहू ने डेरी विकास के लिए आहार की उचित विधियों; डॉ. पिंकी सामल ने डेरी पशुओं में होने वाले रोगों, उनके कारणों तथा बचाव के उपायों; श्री डी.एन. सारंगी ने चारे की खेती तथा डेरी पशुओं के लिए उसके महत्व तथा भूमिका; डॉ. तनुजा एस. ने आर्थिक विकास के लिए मछली संबंधी विभिन्न उद्यमों की भूमिका; डॉ. एस.के. नायक ने मछलियों की वृद्धि के लिए तालाब प्रबंध की आवश्यकता; और डॉ. अनिल कुमार ने डेरी प्रबंध की प्रगत विधियों के बारे में प्रशिक्षणार्थी किसानों और खेतिहर महिलाओं को विस्तार से बताया। किसानों को चारे की खेती और प्रबंध के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देने के लिए उनका खेत भ्रमण भी आयोजित किया गया।

Demonstration on Application of growth regulator in controlling severity of fruit drop in mango under the Project Optimizing Technological Interventions with Gender Perspective in Small Scale Mango Orchards

Fruit drop in mango is a serious issue which results in heavy loss to growers. It is mainly due to heavy competition among the growing fruits. High wind velocity, water stress during fruit development period, heavy rain, cloudy weather, disease pest infestation, nutrition deficiency and hormonal imbalance are some

छोटे पैमाने के आम के बागों में लिंग परिदृश्य के संदर्भ में प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों को उपयुक्ततम बनाने की परियोजना के अंतर्गत आम में फलों झड़ जाने की गहनता को नियंत्रित करने के लिए वृद्धि नियामकों के अनुप्रयोग पर प्रदर्शन

वृक्ष से फलों का गिर जाना आम की फसल की एक गंभीर समस्या है जिसके कारण आम उत्पादकों को बहुत अधिक हानि होती है। यह मुख्यतः उगते हुए फलों में भारी प्रतिस्पर्धा के कारण होता है। तेज चलने वाली हवाएं, फलों के विकास के दौरान पानी की कमी, भारी वर्षा, बादलों वाला मौसम, रोग-नाशकजीव संक्रमण, पोषण की कमी और हार्मोनों का असंतुलन कुछ अन्य ऐसे कारण हैं जिनके द्वारा आम में वृक्ष से फल गिर जाते हैं। नियोजकों के उच्च

of the factors leading to fruit drop in mango. Deficiency of endogenous auxin (a plant growth hormone) coupled with high level of inhibitors is a hormonal cause that results in fruit drop. Exogenous application of Naphthalene Acetic Acid (Planofix) @ 20 ppm is effective in reducing the severity of fruit drop in mango. Demonstration on application of NAA @ 20 ppm (Planofix @ 4.5 ml in 10 l of water) have been conducted in village Malipur of Khorda district of Odisha. The women farmers were trained in preparation of hormone solution, spraying method, frequency and time. Application of auxin twice at panicle initiation stage and pea stage of fruit development along with regular watering of orchards have proved to be beneficial in reducing the severity of fruit drop in mango.

ICAR Zonal Sports (Eastern Zone) Tournament - 2017

ICAR-CIWA participated in ICAR Zonal Sports (Eastern Zone) Tournament-2017

ICAR-CIWA participated in ICAR Zonal Sports (Eastern Zone) Tournament-2017 held during 13th -16th November, 2017 at Pataliputra Sports Complex, Pataliputra, Bihar, which was organized by ICAR-Research Complex for Eastern Zone, Patna, Bihar. Dr. R. C. Srivastava, Hon'ble Vice Chancellor of Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University Pusa, Samastipur, Bihar was the Chief Guest of the Inaugural session. Sixteen sports contingents participated in the Tournament. Dr. Jyoti Nayak, Pr Scientist (Home Science) was the Chief De-Mission & Manager. Totally, five Medals were won by the sports contingent of ICAR-CIWA. Among those, Mr. Atul Chetan Hemrom won Silver Medal in Javelin throw (men) & Bronze Medal in Discuss throw (men). Er Chaitrali S. Mhatre won Silver Medal in Long jump (women) & Bronze Medal in 200 m Running (women). Mrs Parisima Sen won Silver Medal in Discuss throw (women).

स्तर के साथ अंतःजनित ऑक्सिन (एक पादप वृद्धि नियामक) की कमी फलों के गिरने का एक अन्य कारण है। नेफ्थलीन एसिटिक अम्ल (प्लेनोफिक्स) का 20 पीपीएम की दर से बाहरी उपयोग करना आम में फलों के गिरने की गहनता को कम करने में प्रभावी सिद्ध होता है। एनएए का 20 पीपीएम की दर से (10 लिटर जल में प्लेनोफिक्स का 4.5 मि.लि. की दर से) उपयोग करते हुए इस विधि का प्रदर्शन ओडिशा के खुर्दा जिले के मालीपुर गांव में किया गया। खेतिहर महिलाओं को हार्मोन का घोल तैयार करने, छिड़काव की विधि, छिड़काव की आवर्तता और समय के बारे में प्रशिक्षित किया गया। आम की मंजिरी निकलना आरंभ होने की अवस्था तथा आम के मटर के दाने के समान हो जाने की अवस्था के दौरान दो बार ऑक्सिन का प्रयोग करके तथा बागों की नियमित सिंचाई करके आम में फलों के गिरने की गहनता को कम किया जा सकता है।

भा.कृ.अ.प. क्षेत्रीय खेलकूद (पूर्वी अंचल) टूर्नामेंट-2017

भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए की भा.कृ.अ.प. क्षेत्रीय खेलकूद (पूर्वी अंचल) टूर्नामेंट-2017 में भागेदारी

भा. कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए ने 13-16 नवम्बर 2017 को पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, पाटलिपुत्र, बिहार में आयोजित भा. कृ.अ.प. क्षेत्रीय खेलकूद (पूर्वी अंचल) टूर्नामेंट 2017 में भाग लिया। यह टूर्नामेंट भा. कृ.अ.प.पूर्वी क्षेत्र अनुसंधान परिसर, पटना, बिहार द्वारा आयोजित किया गया था। डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। संस्थान के 16 खिलाड़ियों के दल ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया। डॉ. ज्योति नायक, प्रधान वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) चीफ-डी-मिशन तथा प्रबंधक थीं। भा. कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए के इस दल ने कुल मिलाकर 5 पदक प्राप्त किए। इनमें से श्री अतुल चेतन हेमरोम ने भाला फेंक प्रतियोगिता (पुरुष) में रजत पदक और चकरी फेंक प्रतियोगिता (पुरुष) में कांस्य पदक, ई; चैत्राली एस. म्हात्रे ने लंबी कूद (महिला) प्रतियोगिता में रजत पदक और 200 मीटर की दौड़ (महिला) प्रतियोगिता में कांस्य पदक तथा श्रीमती सेन ने चकरी फेंक प्रतियोगिता (महिला) में रजत पदक प्राप्त किए।

Training / Seminar / Symposium Attended

Sl. No.	Name of Programme (Training/ Workshop/ Seminar etc.) attended	Organized By (Name of Institute)	Date of Programme	Participant (Name)
1.	International Conference and Expo on Agriculture and Veterinary Sciences: Research and Technology	PJTSAU, Hyderabad, Telangana	23-25 October, 2017	Ms. Ankita Sahu
2.	National Consultation Meet on Fostering Faster Reach of Innovations from Aquaculture Research through Media: A Science Communication Perspective	ICAR-CIFA, Bhubaneswar	27 October, 2017	Dr. Sabita Mishra
3.	National Consultation on Political Economy of Gender and Energy	MSSRF at New Delhi	1 November, 2017	Ms. Gayatri Moharana Er Chaitrali S. Mhatre
4.	8th National Seminar on "Potential, Prospects and Strategies for Doubling Farmers' Income: Multi stakeholder Convergence"	College of Veterinary Science, Assam Agricultural University, Guwahati	9-10 November, 2017	Dr. J. Kishtwaria Dr. J. Charles Jeeva
5.	Training Programme on Geospatial Analysis for Natural Resources Management using Free and Open Source Softwares (FOSS) - QGIS, ILWIS & R	ICAR-NAARM, Hyderabad	16-25 November, 2017	Dr. Ananta Sarkar
6.	11th Indian Fisheries and Aquaculture Forum	Asian Fisheries Society and ICAR-CIFT, Cochin	21-24 November, 2017	Dr. Tanuja, S.
7.	Learning Workshop on 'Gender Friendly Farm Tools'	OUAT, Bhubaneswar	16-17 January, 2018	Ms. Gayatri Moharana Er. Chaitrali S. Mhatre
8.	1st International Extension Congress 2018 on *New Horizons of Extension-Challenges and Opportunities*	Orissa Society of Extension Education and ICAR-CIWA, Bhubaneswar	1-3 February, 2018	All Scientists and Technical Staff of ICAR-CIWA
9.	Orientation Training-cum-Refresher Course for the KVK Personnel of Home Science discipline	ICAR-ATARI, Kolkata	6 February, 2018	Dr. Jyoti Nayak Ms. Gayatri Moharana

10.	National Conference on Technology Empowerment of Women in Commemoration of International Women's Day	Vigyan Bhawan, New Delhi	8-9 March, 2018	Dr. Jyoti Nayak
11.	International Conference on "Invigorating Transformation of Farm Extension Towards Sustainable Development: Futuristic Challenges and Prospects"	Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore	9-10 March, 2018	Dr. J. Charles Jeeva
12.	18th Scientific Advisory Committee Meeting of KVK Kandhamal	KVK, Bhawanipatna	12 March, 2018	Ms. Ankita Sahu
13.	ICAR sponsored short course on "Brood stock improvement and quality fish seed production through genetic tools"	ICAR-CIFA, Bhubaneswar	15-24 March, 2018	Dr. Tanuja, S.
14.	State Level Biosafety Capacity Building Workshop	Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt of India in association with Biotech Consortium India Ltd at OUAT Bhubaneswar	19 March, 2018	Dr. S.K. Srivastava
15.	Workshop on Gender Responsive Budgeting	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	21-22 March, 2018	All Scientists and Technical Staff of ICAR-CIWA
16.	Training cum Exhibition on Horticultural Interventions for Sustainable Tribal Livelihood	CHES (ICAR-IIHR), Bhubaneswar	23 March, 2018	Ms. Gayatri Moharana

Exhibitions

Sl. No.	Exhibition	Venue	Duration
1	Mahila Kisan Divas and World Food day	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	16 October, 2017
2	World Food Day function organized by Orissa Krushak Samaj	Institute of Engineers, Sachivalaya Marg, Bhubaneswar	16 October, 2017

3	1st International Extension Congress	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	1-3 February, 2018
4	3rd ARRW International Symposium	ICAR-NRRI, Cuttack	6-9 February, 2018
5	Foundation Day and Technology Demonstration Mela	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	5 March, 2018
6	Odisha Krushi - 2018	Baramunda	6-9 March, 2018
7	Krishi Unnati Mela -2018	ICAR-IARI, New Delhi	16-19 March, 2018
8	Training cum Exhibition on Horticultural Interventions for Sustainable Tribal Livelihood	CHES (ICAR- IIHR), Bhubaneswar	23 March, 2018

Important Visitors

1.	Dr. N.S. Rathore, DDG (Ag. Education), ICAR, New Delhi	16 October, 2017
2.	Dr. P.S. Pandey, ADG (EP&HS), ICAR, New Delhi	
3.	Dr. N.S. Rathore, DDG (Ag. Education), ICAR, New Delhi	5 March, 2018

Exposure Visits

Participants	Number of participants	Date	Coordinated by
B. Sc. (Ag), 4th year students of SOA University, Bhubaneswar	25	18 October, 2017	Dr. Sabita Mishra
B. Sc. (Ag), 4th year students of SOA University, Bhubaneswar	33	23 October, 2017	
B. Sc. (Ag), 4th year students of SOA University, Bhubaneswar	37	24 October, 2017	
Technical Personnel of M. S. Swaminathan Research	5	27 November, 2017	
Foundation, Jeipore, Koraput			
Farmers/ farm women from Pani-Panchayat of Khordha and Nayagarh districts of Odisha	54	20 January, 2018	
Farmers/farm women from Pani-Panchayat of Dasapalla and Nayagarh districts of Odisha	59	25 January, 2018	
Rural Youth of Salepur, Cuttack	2	17 February, 2018	
Farmers given exposure visit to Krishi Unnati Mela -2018 held at ICAR-IARI, New Delhi	8	16-18 March, 2018	Ms. Gayatri Moharana Mr. Manoranjan Prusty

AWARDS AND RECOGNITION

Name of Staff	AWARDS AND RECOGNITION
S.K. Srivastava	Member, Global Economic Progress & Research Association, Tiruvannamalai, Tamilnadu
A. K. Panda	IPSA Dr. P. Kothandaraman Memorial Award for best presentation, IPSACON-2017 held at Bengaluru, 28-30 November 2017
A. K. Panda	IPSA Fellow Award 2017, Indian Poultry Science Association, India
A. K. Panda	ANSI Fellow Award 2017, Indian Society of Animal Nutrition, India
A. K. Panda	Member, International Advisory Board, The Journal of Poultry Science, Japan
A. K. Panda	Section Editor, Brazilian Journal of Animal Sciences
A. K. Panda	Editor, Indian Journal of Poultry Sciences
Jyoti Nayak	Faculty Counsellor (Home Science), Executive body of Orissa Society of Extension Education during 2017-18
Ananta Sarkar	Member, Governing Body of the 'Society for Application of Statistics in Agriculture and Allied Sciences' (SASAA), India
Ananta Sarkar	Editorial board member, RASHI: Journal of the Society for Application of Statistics in Agriculture and Allied Sciences (SASAA), India
Shivaji Argade Ananta Sarkar J. Charles Jeeva Sabita Mishra	Best Poster under the category of best extension research, 1st International Extension Congress on "New Horizons of Extension- Challenges and Opportunities" held at ICAR-CIWA, Bhubaneswar, 1 -3 February, 2018
Mhatre C. S.	Silver medal for long jump (women), Zonal Sports Meet held at ICAR-RCER, Patna, 10-18 November, 2017
Mhatre C. S.	Bronze medal for 200 m running (women), Zonal Sports Meet held at ICAR-RCER, Patna, 10-18 November, 2017
Mhatre C. S.	Third position for long jump (women), Inter-Zonal Sports Meet held at, ICAR-NAARM, Hyderabad, 21-25 February 2018
Atul C. Hemrom	Silver medal for javelin throw (men), Zonal Sports Meet held at ICAR-RCER, Patna, 10-18 November, 2017
Atul C. Hemrom	Bronze medal for discuss throw (men), Zonal Sports Meet held at ICAR-RCER, Patna, 10-18 November, 2017
Parisima Sen	Silver medal for discuss throw (women), Zonal Sports Meet held at ICAR-RCER, Patna, 10-18 November, 2017

Research Publications

- Chattopadhyay, K., Sharma, S.G., Bagchi, T.B., Molla, K.A., Sarkar, S., Marndi, B.C., Sarkar, A., Dash, S.K. and Singh, O.N. 2018. Development of recombinant high yielding lines with improved protein content in rice (*Oryza sativa* L.). *The Journal of Agricultural Science.* (Online): 1–17. https://doi.org/10.1017/S0021859618000230.
- Jeeva, J. C. 2017. Sustainable livelihood options for women in the coastal ecosystem: a participatory assessment. *Current Science*, 113 (11): 2183-2186.
- Maity, A., Babu, K.D., Sarkar, A. and Pal, R.K. 2017. Seasonality of nutrients vis –a-vis fruit quality of pomegranate cv. Bhagwa on Vertisol. *Journal of Plant Nutrition*, 40(9): 1351-1363.
- Maity, A., Sharma, J., Sarkar, A., More, A. K., Pal, R. K., Nagane, V. P. and Maity, A. 2017. Salicylic acid mediated multi-pronged strategy to combat bacterial blight disease (*Xanthomonas axonopodis* pv. punicae) in pomegranate. *European Journal of Plant Pathology*, 150(4): 923–937.
- Mukherjee, A., Sarkar, S. and Sarkar, A. 2017. Productivity and Profitability of Tomato Due to Irrigation Frequency and Mulch. *International Journal of Vegetable Science*, 24(1): 43-57.
- Nayak, J, Singh, A, Tanuja, S., Saha, G and Sahu, B.C. 2017. Promoting integrated farming system for livelihood and nutritional security of small and marginal farm families. *Journal of Extension Education*. Vol. XXII (1):77-79.
- Prusty, M., Samal, K.C., Sahu, G.S., Sahu Ankita and Sahu, L.P. 2017. Clonal Propagation and genetic fidelity of the regenerants of Pointed Gourd. *The Bioscan*, 12(4): 1885-1889.
- Sahoo, L. P., Arya, M.P.S., Patra, C. Prusty, M., Sahu, A. and Sahoo, M. 2018. Gender roles in seed storage and management. *International Journal of Science, Environment*, 7(1):219-224.
- Sahu, P. and Sahu, A. 2018. Effect of pre-harvest sprays of forchlorfenuron and boron on fruit cracking and quality of pomegranate (*Punica granatum* L.) cv. Kandhari. *International Journal of Chemical Studies*, 6(2): 2998-3002.
- Sarkar, A., Argade, S.D. and Jeeva, J. C. 2018. Development of an Index for Assessing Farm

अनुसंधान प्रकाशन

- चट्टोपाध्याय, के., शर्मा, एस.जी., बागची, टी.बी., मोल्ला, के.ए., सरकार, एस., मारंडी, बी.सी., सरकार, ए., दाश, एस.के. और सिंह, ओ.एन. 2018. डेवलपमेंट ऑफ रिकंबीनेंट हाई ईल्डिंग लाइंस विद इम्प्रूव्ड प्रोटीन कंटेंट इन राइस (ओराइजा सेटाइवा एल.) द जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस (ऑन लाइन) : (1-17, https://doi.org/10.1017/ s0021859618000230)
- जीवा, जे.सी. 2017. सस्टेनेबल लाइवलीहुड ऑप्शन कॉर वीमेन इन द कोस्टल इकोसिस्टम: ए पार्टिसिपेटरी एसेसमेंट : करंट साइंस 113(11):2183-2186
- मैती, ए., के.डी., सरकार, ए. और. के. 2017. सीजनेलिटी ऑफ न्यूट्रिएंट्स विस-ए-विस फ्रूट क्वालिटी ऑफ पोमग्रेनेट सीवी. भगवा ऑन वर्टिसाल. जर्नल ऑफ प्लांट न्यूट्रिशनल. 340(9): 1351-1363
- मैती, ए., शर्मा, जे., सरकार, ए., मोरे, ए.के., पाल, आर.के., नगाने, वी.पी. और मैती ए. 2017. सैलिसिलिक एसिड मेडिएटिड मल्टी-प्रॉन्ड स्ट्रेटिजी टू काम्बेट बैक्टीरियल ब्लाइट ड़िजिज (जैंथोमोनास एक्सोनोपोडिस पीवी. प्यूनीसी) इन पोमग्रेनेड यूरोपियन जर्नल ऑफ प्लांट पैथोलॉजी. 150(4): 923-937
- मुखर्जी, ए., सरकार, एस. और सरकार, ए. 2017 प्रोडक्टिविटी एंड प्रोफिटेबिलिटी ऑफ टोमेटो ड्यू टू इरिगेशन फ्रीक्वेंसी एंड मल्चङ इंटरनेशनल जर्नल आफ वेजिटेबल साइंस. 24(1):43-57.
- नायक, जे., सिंह, ए., तनुजा, एस., साहा, जी. और साहू, बीसी. 2017. प्रमोटिंग इंटीग्रेटिंग फार्मिंग सिस्टम फॉर लाइवलीहुड एंड न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी ऑफ स्माल एंड मार्जिनल फार्म फैमिलीज. जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन. खण्ड XXII (1): 77-79
- प्रुस्ती, एम., सामल, के.सी., साहू, जी.एस., साहू, अंमिता और साहू, एल.पी. 2017. क्लोनल प्रोपेगेशन एंड जेनेटिक फीडेलिटी ऑफ द रिजनरेंट्स ऑफ पाइंटिड गाउर्ड. द बायोस्कैन, 12(4): 1858-1889
- साहू, एल.पी., आर्या, एम.पी.एस., पात्रा, सी., प्रुस्ती, एम., साहू, ए.और साहू, एम. 2018 जेंडर रोल्स इन सीड स्टोरेज एंड मैनेजमेंट - इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंस, इनवायरमेंट, 7 (1) : 219-224.
- साहू, पी. और साहू, ए. 2018. इफेकट ऑफ प्री-हार्वेस्ट स्प्रेज ऑफ फोरक्लोर फेन्यूरॉन एंड बोरॉन ऑन फ्रूट क्रैकिंग एंड क्वालिटी ऑफ पामग्रेनेट (प्यूनिका ग्रेनेटमएल). सीवी. कंधारी. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कैमिकल स्टडीज, 6(2) : 2998-3002
- सरकार, ए., अर्गाडे, एस.डी., और जीवा, जे.सी. 2018. डेवलपमेंट ऑफ एन इंडेक्स फॉर एसेसिंग फार्म वीमेंस एक्सेस टू

Women's Access to Resources. *Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.*, 7(02): 610-618.

➢ Tanuja, S., Kumar, A., Nayak, S. K., Behera, S. K. and Sarkar, A. 2017. Effect of dietary supplementation of acid ensiled fish waste on production performance, egg quality and serum biochemistry in layer Japanese quail (*Coturnix coturnix japonica*). *Indian Journal of Animal Research.* (Online): 1-4 doi:10.18805/ijar.B-3276

रिसोर्सिस. इंटरनेशनल जर्नल करंट माइक्रोबायल. ऐप. साइंस 7(02) : 610-618.

➢ तनुजा, एस., कुमार, ए., नायक, एस.के., बेहरा, एस.के. और सरकार. ए. 2017. इफेक्ट ऑफ डायेट्री सप्लीमेंटेशन ऑफ एसिड एन्साइल्ड फिश वेस्ट ऑन प्रोडक्शन परफार्मेंस, एग क्वालिटी एंड सीरम बायोकैमिस्ट्री इन लेयर जापानीज क्वैल (कोटर्निक्स कोटर्निकस जैपोनिका) इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च. (ऑन लाइन). 1-4 doi:10.18805/ijar.B-3276

Appointment / Promotion / Transfer / Retirements

Appointment/ Joining

Sl. No.	Name	Designation	Date	Details
1.	Sh. Tushar Ranjan Mangaraj	Lower Division Clerk	04.09.2017	Transferred from ICAR-CCARI, Goa

Promotion

Sl. No.	Name	Designation	Date	Details
1.	Dr. J. Charles Jeeva	Senior Scientist (Agrl. Extension)	17.08. 2016	Promoted as Principal Scientist (Agrl. Extension) with effect from17.08.2016

Retirement/ Transfer

Sl. No.	Name	Designation	Date	Details
1.	Dr. Jatinder Kishtwaria	Director	30.11.2017	Retired on superannuation
2.	Dr. Shivaji Dadabhau Argade	Scientist (Agrl. Extension)	20.09.2017	Transferred to ICAR-CIFE, Mumbai

Meetings / Programmes attended by Director's ICAR - CIWA, Bhubaneswar

Date	Place	Purpose of Visit
9 October, 2017	NASC , New Delhi	Conference on 'Green Revolution in Eastern India: Constraints, Opportunities and Way Forward
23 October, 2017	Hissar, Haryana	International Conference GIRD-2017
28 October, 2017	New Delhi	Meeting with IRRI
7 November, 2017	New Delhi	Meeting of Advisory Committee for the Conference on Technological Empowerment of Women to be held on 8-9 March 2018 at Vigyan Bhawan
9 November, 2017	AAU, Guwahati	8th National Seminar on Potential, Prospects and Strategies for Doubling Farmers' Income : Multi-stakeholder Convergence
18 November, 2017	New Delhi	Meeting in Delhi Vigyan Prasar
8 March, 2018	NASC, New Delhi	Director's Conference

Human Resource Development

A. Physical targets and achievements

S. No.	Category	Total No. of Employees	No. of trainings planned for each category during 2017-18 as per ATP	No. of employees undergone training during April-Sept 2017	No. of employees undergone training during Oct 2017-March 2018	Total No. of employees undergone training during April 2017 to March 2018	% realization of trainings planned during 2017-18
1	2	3	4	5	6	7=5+6	7/4 x 100 = 8
1	Scientist	1+12	7	5	2	7	100.00
2	Technical	12	2	2	2	4	200.00
3	Administrative & Finance	7	4	Nil	1	1	25.00
4	SSS	1	1	Nil	Nil	Nil	0.00
Total		33	14	7	5	12	85.71

B. Financial targets and achievements (All employees)

S.No.	RE 2017-18 for HRD (Rs in lakhs)	Actual Expenditure up to 31 March, 2018 for HRD	% Utilization of allotted budget
1	2	3	3*100/2=4
1.	4.00	3.98	99.50

Editors : Dr. J. Charles Jeeva
: Dr. S. Tanuja
: Mrs. Ankita Sahu
Published by : Dr. S.K. Srivastava
Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Baramunda, Bhubaneswar
Odisha-751 003 (India)
Phone- 0674-2387940, 2387241
Fax- 0674-2387242
Email : director.ciwa@icar.gov.in
Website : http://www.icar-ciwa.org.in

सम्पादक : डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
: डॉ. एस.तनुजा
: श्रीमती सुश्री अंकिता साहू
प्रकाशन : डॉ. एस.के. श्रीवास्तव
निदेशक
भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,
डाकघर-बरमुण्डा, भुवनेश्वर - 751 003, ओडिशा
दूरभाष : 0674-2387940, 2387241
फैक्स : 0674-2387242
ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in
वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in